●वर्ष : 16 ●अंक : 194 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

सोमवार 04 नवम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों ने दो पुलिसकर्मियों पर हमला किया **उनके हथियार लेकर फरार**

नूना न्यूज एजेंसी

सुकमा (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में एक साप्ताहिक बाजार में सादे कपड़ों में आए नक्सलियों ने धारदार हथियारों से हमला कर दो पुलिस कर्मियों को घायल कर दिया। अधिकारी ने बताया कि हमले के बाद नक्सली दोनों पुलिसकर्मियों की सरकारी राइफल भी छीन ले गए। उन्होंने बताया कि घटना उस समय की है जब पुलिसकर्मी जगरगुंडा गांव के बाजार में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों की एक एक्शन टीम (जिसमें आमतौर पर चार-पांच कैडर होते हैं) ने अचानक कांस्टेबल करतम देवा और सोढ़ी कन्ना पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और फिर उनकी राइफलें लूटकर भाग गए। उन्होंने बताया कि वहां तैनात अन्य सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आए और उन्होंने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी। दोनों घायल कांस्टेबल को पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अधिकारी ने बताया कि बाद में उन्हें रायपुर ले जाया गया और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। ये दोनों कांस्टेबल जगरगुंडा पुलिस थाने में तैनात हैं। बस्तर संभाग में सुकमा सहित सात जिले आते हैं। बस्तर संभाग में नक्सलियों ने पहले भी कई बार साप्ताहिक बाजारों में सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाया है।

उत्तर प्रदेश: बोलेरो की टक्कर लगने से कार सवार दो भाइयों की मौत

नूना न्यूज एजेंसी

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शनिवार को एक बोलेरो गाड़ी ने एक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे कार में सवार दो भाइयों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मलवां थाना क्षेत्र के कोराई मोड़ के नजदीक हुई दुर्घटना में अखिलेश (46) और विमलेश उर्फ पप्पू (44) की मौत हो गई जबकि उनके पिता चंद्रशेखर (70), अंकित और कार चालक दुर्गेश घायल हो गये। उन्होंने बताया कि फतेहपुर शहर की रूपवती कॉलोनी के रहने वाले ये सभी लोग कार से कानपुर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया और घायलों को जिले के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

श्रीनगर की संडे मार्केट में ग्रेनेड हमला

>> 12 से अधिक लोग घायल

नूना न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। श्रीनगर में संडे मार्केट स्थित टीआरसी के पास ग्रेनेड हमला। हमले में 12 से अधिक नागरिक घायल हुए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहीं, बीते कल श्रीनगर के खानयार इलाके में सुरक्षाबल और आतंकियों के बीच आज मुठभेड़ हुई थी। मुठभेड़ में जवानों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को निकालने और आतंकियों की तलाशी के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों को मौके पर भेजा गया है। विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई और

दुकानदारों को छिपने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने दी प्रतिक्रिया

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में हुए घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा कि पिछले कुछ दिनों से घाटी के कई हिस्सों में हमलों और मुठभेड़ों की खबरें सुर्खियों में हैं।

उन्होंने कहा कि श्रीनगर के संडे मार्केट में निर्दोष दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की आज की खबर बेहद परेशान करने वाली है। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। सुरक्षा तंत्र को जल्द से जल्द हमलों की इस लहर को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि लोग बिना किसी डर के अपना जीवन जी सकें।

इन घायलों की हुई पहचान

>> मिस्बा उम्र 17 वर्ष पुत्री मोहम्मद अमीन टैंट्री निवासी नौगाम के रूप में हुई।
>> अजान कालू उम्र 17 वर्ष पुत्र जावेद अहमद कालू निवासी नूरबाग।
>> हबीबुल्लाह राथर उम्र 50 वर्ष पुत्री अब्दुल जब्बार निवासी कलूसा बांदीपोरा।
>> अल्ताफ अहमद सीर उम्र 21 वर्ष पुत्र अब्दुल रशीद निवासी अमशीपोरा, शोपियां।
>> फैजल अहमद उम्र 16 वर्ष पुत्र फैयाज अहमद बेग निवासी खानयार।
>> उजेर फारूक भट पुत्र फारूक अहमद भट निवासी पट्टन्।
>> फैजान मुश्ताक उम्र 20 वर्ष पुत्र मुश्ताक अहमद सोफी निवासी पंपोर।
>> जाहिद वानी उम्र 19 वर्ष पुत्र गुलजार अहमद वानी निवासी चेकपोरा कलां नौगाम।
>> गुलाम मुहम्मद सोफी उम्र 55 वर्ष पुत्र गुलाम अहमद निवासी छत्ताबल।
>> सुमैया जान उम्र 45 वर्ष पत्नी जुबैर अहमद लोन निवासी नैदखाई, सुंबल।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए सुनील शर्मा

नूना न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। पूर्व मंत्री सुनील शर्मा को रविवार को जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता चुना गया। किश्तवाड़ जिले के पद्दर नागसेनी से विधायक शर्मा का जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष का नेता बनना तय है। भाजपा के एक प्रवक्ता ने यहां विधायक दल की बैठक के बाद कहा, 'सुनील शर्मा को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। वह विधानसभा में विपक्ष के नेता होंगे।'

जम्मू कश्मीर विधानसभा में भाजपा नेता शर्मा (47) का यह दूसरा कार्यकाल होगा। शर्मा ने केंद्र शासित प्रदेश में 2022 के परिसीमन प्रक्रिया के बाद नव गठित निर्वाचन क्षेत्र पद्दर नागसेनी से मामूली अंतर से जीत हासिल की। शर्मा 2014 से 2018 तक पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी)- भाजपा गठबंधन सरकार में राज्य मंत्री थे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि नरिंदर सिंह विधानसभा उपाध्यक्ष पद के लिए पार्टी के उम्मीदवार होंगे। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद, शर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें यह जिम्मेदारी देने के लिए वह पार्टी के केंद्रीय और राज्य नेतृत्व के आभारी हैं। उन्होंने कहा, 'अपने विधायक साथियों के सहयोग, अनुभव और आशीर्वाद से मैं अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा। पार्टी की नीतियों और लोगों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए हम विधानसभा में और बाहर भी लोगों की आवाज बनेंगे।' विधानसभा में अपनी प्राथमिकताओं के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा, 'मुझे अभी-अभी (विधायक दल का नेता) चुना गया है। लड़ाई कल शुरू होगी। हमें देखना होगा कि दुश्मन कहां छिपा है और हम उसी के अनुसार हमला करेंगे।'

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

फिर आतंकी हमलें, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है। ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

बिहार के कटिहार में गंगा नदी में नाव पलटने से दो बच्चे लापता

नूना न्यूज एजेंसी

बिहार। के कटिहार जिले में रविवार को गंगा नदी में नाव पलटने से कम से कम दो बच्चे लापता हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह हादसा जिले के मनिहारी प्रखंड के हाटकोला गांव के पास हुआ। रविवार सुबह 12 लोगों को ले जा रही नाव गंगा में पलट गयी। कटिहार के जिला मजिस्ट्रेट मनेश कुमार मीणा ने पीटीआई-भाषा को बताया, अभी तक दस लोगों को बचा लिया गया है, जबकि दो बच्चे अब भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि लापता बच्चों का पता लगाने के लिए राज्य आपदा राहत बल ने तलाश अभियान शुरू किया है। अधिकारी ने कहा, जिला प्रशासन के वरिष्ठ

अधिकारी एवं स्थानीय पुलिस अधिकारी बचाव दल के साथ मौके पर मौजूद हैं। मनिहारी विधानसभा सीट से विधायक मनोहर प्रसाद सिंह भी मौके पर पहुंच गए हैं और बचाव अभियान पर नजर रख रहे हैं।

राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए किया प्रचार

वायनाड की जनता के सामने जमकर की बहन की तारीफ

नूना न्यूज एजेंसी

वायनाड। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा उपचुनाव के लिए आज वायनाड के मनंतवाडी में अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने मनंतवाडी की जनता को भरोसा दिलाया कि प्रियंका उनके लिए सबसे अच्छी सांसद साबित होगी। राहुल ने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि वह मेरी बहन है और अब आप सभी भी भाग्यशाली होंगे। वह आपकी बहन की तरह, आपकी मां की तरह, आपकी बेटी की तरह होंगी। मुझे पूरा भरोसा है कि आपको सबसे बेहतरीन सांसद मिलने जा रहा है। अपने संबोधन को शुरू करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'यह पहली बार है कि मैं अपनी बहन के लिए प्रचार करने के लिए किसी मीटिंग में आया हूं। मेरे पहले चुनाव के दौरान, मेरी बहन ने मेरे लिए प्रचार किया था और तब से वह ऐसा कर रही है। उसने हमारी मां के लिए प्रचार किया। उसने हमारे पिता के लिए भी प्रचार किया। वह हमेशा से ही प्रचारक रही है और अब तक कभी चुनाव में खड़ी नहीं हुई। यह उसके बारे में बहुत कुछ बताता है। जनता को प्रियंका गांधी की खूबिया बताते हुए राहुल ने कहा, 'मेरी बहन एक अलग स्तर पर सोचती है। कई राजनेता एक किसान को देखते हैं और उसे सिर्फ. "किसान" के रूप में लेबल करते हैं। मेरी बहन ऐसा नहीं कहेगी। उसके लिए, वह एक पिता है, एक भाई है। वह समझने की कोशिश करेगी कि वह व्यक्ति किस दौर से गुजर रहा है। वह किसान से बात करेगी और पूछेगी कि सही कीमतों से वंचित होने पर उसे कैसा महसूस होता है; जब वह अपने बच्चे की स्कूल फीस नहीं भर पाया या जब उसकी मां कब्र में थी और वह उसका खर्च नहीं उठा पाया तो उसे कैसा लगा।

राहुल ने कहा, 'आज देश में मुख्य लड़ाई संविधान की लड़ाई है। यह क्रोध, घृणा या अहंकार के साथ नहीं लिखा गया था, यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा लिखा गया था, जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए इसे विनम्रता और स्नेह के साथ लिखा था।' उन्होंने आगे कहा, 'यह लड़ाई है- प्रेम बनाम घृणा, आत्मविश्वास बनाम असुरक्षा और विनम्रता बनाम अहंकार की। अगर हम वास्तव में इस लड़ाई को जीतना चाहते हैं, तो हमें अपने दिलों से अहंकार और घृणा को खत्म करके और उसकी जगह प्रेम और करुणा को लाकर मदद करनी चाहिए।

>> कई सौगात देने का वादा, अमित शाह ने सोरेन सरकार और कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, 'हर कोई लोगों पर लेबल लगाता है। वह उन लेबलों के पीछे चलने वाली एक व्यक्ति है। वह हर किसी के पास मौजूद लाखों लेबलों की खूबसूरती को समझती है। वह किसी ऐसे व्यक्ति में ताकत भी देख सकती है, जहां दूसरे लोग कमजोरी देखते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि मेरी बहन के रूप में वह है और अब आप सभी भी भाग्यशाली होंगे। राहुल ने कहा, 'कभी-कभी मैं ज्यादा तार्किक होता हूं, लेकिन वह मुझसे ज्यादा भावुक होती है। इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि आपको सबसे बेहतरीन सांसद मिलने जा रहा है। मैं पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं। आपके सांसद बनने के लिए उनसे बेहतर कोई नहीं हो सकता। जहां भी देखो, गुस्सा, हिंसा और नफरत है, लेकिन इंसानियत कहां है। वह ऐसी इंसान है जिसने हमारे पिता की हत्या में शामिल लड़की को गले लगाया और कहा कि जब वे मिले तो उसे नलिनी के लिए बहुत दुख हुआ। उसे इसी तरह का प्रशिक्षण मिला है और भारत को इसी तरह की राजनीति की जरूरत है - प्यार और स्नेह की राजनीति, न कि नफरत की।

नीतीश कुमार ने छठ की तैयारियों की समीक्षा के लिए किया पटना में घाटों का निरीक्षण

नूना न्यूज एजेंसी

बिहार। के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छठ पर्व की तैयारियों की समीक्षा के लिए शनिवार को राज्य की राजधानी पटना में गंगा घाटों का निरीक्षण किया। यह पर्व सात और आठ नवंबर को मनाया जायेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी किये गये बयान के अनुसार, निरीक्षण के दौरान कुमार ने अधिकारियों को पटना में श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए साफ-सफाई, सुरक्षा, प्रकाश आदि की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं और आगंतुकों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घाटों पर अस्थायी चेंजिंग रूम(कपड़े बदलने की जगह), शौचालय और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हों। पिछले 15 दिनों में यह तीसरी बार था, जब मुख्यमंत्री ने छठ पर्व के सिलसिले में गंगा घाटों का निरीक्षण किया है।

भाजपा राज में मीडिया के मनोबल के एनकाउंटर का हर हथकंडा अपनाया जा रहा : सपा अध्यक्ष

नूना न्यूज एजेंसी

उत्तर प्रदेश। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के शासन में पत्रकारों पर अत्याचार का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि भाजपा राज में मीडिया के मनोबल के एनकाउंटर का हर हथकंडा अपनाया जा रहा है। यादव ने सात सेकंड का एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें कुछ

लोग एक व्यक्ति को निर्वस्त्र करके उसकी पिटाई करते नजर आ रहे हैं। यह घटना हमीरपुर की है। सपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, एक पत्रकार की हत्या, पत्रकारों पर दबाव बनाना, पत्रकारों का महीना बांधना, पत्रकारों पर प्राथमिकी कराना, पत्रकारों को निर्वस्त्र करके मारना, पत्रकारों को अवांछित पेयपान कराना। भाजपा राज में मीडिया के मनोबल के एनकाउंटर का हर हथकंडा अपनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मीडिया कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! इस बीच, हमीरपुर पुलिस ने यादव की इस पोस्ट का जवाब देते हुए एक्स पर कहा कि एक नवंबर को वीडियो सामने आया है। इस मामले में पिछली 28 अक्टूबर को जरिया थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। नामजद आरोपियों में से एक आर.के. सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है और घटना में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

राजस्थान में कार के नदी में गिरने से दो युवकों की मौत, एक घायल

राजस्थान। के बांसवाड़ा जिले में कार के नदी में गिरने से दो युवकों की मौत हो गई व एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सदर थाने के उपनिरीक्षक रामलाल ने बताया कि हादसा शनिवार देर रात उदयपुर-बांसवाड़ा राज्य राजमार्ग पर चिड़िया वासा गांव के पास हुआ। उनके मुताबिक, तीन दोस्त बांसवाड़ा से साबला स्थित अपने घर जा रहे थे और रास्ते में उनकी कार अनियंत्रित

होकर पुल से नीचे नदी में गिर गई। मृतकों की पहचान मयूर टेलर (29) और राजेश कलाल (30) के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर सदर थानाधिकारी बुधराम बिश्नोई टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वह खुद पानी में उतरे और कार में सवार युवकों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि तीनों युवकों की सांसें चल रही थीं और उन्हें तुरंत एंबुलेंस की मदद से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान मयूर और राजेश की मौत हो गई। ईशान को मामूली चोटें आई हैं और उसका इलाज किया जा रहा है।

दिल्ली में 'आप' सत्ता में फिर से आई तो पानी-बिजली के बढ़े हुए बिल माफ कर दिए जाएंगे: केजरीवाल

नई दिल्ली, नवंबर : आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविद केजरीवाल ने शनिवार को वादा किया कि यदि वह अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आते हैं तो बिजली-पानी के बढ़े हुए बिल माफ कर देंगे। यहां ट्रांसपोर्ट नगर में विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि मैं अन्य दलों के नेताओं की तरह राजनीतिक नेता नहीं हूं। पिछले 10 वर्षों से मैंने लोगों के विकास के लिए काम किया है। मेरी शिक्षा देश के संस्थान से हुई है, इसलिए मुझे काम करना आता है।

उन्होंने कहा कि जब वह दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जेल में थे, तब उपराज्यपाल दिल्ली सरकार चला रहे थे तथा लोगों को पानी और बिजली के बढ़े हुए बिल मिल रहे थे। केजरीवाल ने कहा कि चिंता मत कीजिए। अब मैं बाहर हूं और फरवरी में जब आप सत्ता में आएगी तो आपके बिल माफ कर दिए जाएंगे। आप प्रमुख ने दावा किया कि दिल्ली में उनकी पार्टी की सरकार ने सर्वांगीण विकास किया है, जिसमें शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने काम किया है, उन्हें वोट दें। मैं यह नहीं कह रहा कि आप को वोट दें। भाजपा से पूछिए कि उन्होंने आपके बच्चों के लिए क्या किया है। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे दिल्ली के लोगों के लिए किया गया एक भी काम दिखाएं।

विधानसभा चुनाव अगले साल की शुरुआत में होना है।

जमीयत उलेमा हिंद की ओर से भारतीय संविधान की सुरक्षा के लिए आयोजित कन्वेंशन में इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में लाखों का हुजूम, टीडीपी ने वक़्फ़ बिल का किया विरोध

देश में नफरत और मॉब लिंचिंग पर जनता ने व्यक्त की नाराजगी

अब्दुल हफीज

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने जब से मुस्लिमों की मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों जैसी धार्मिक और राष्ट्रीय संपत्तियों को नियंत्रित करने वाली संस्था वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन की घोषणा की है, उस के बाद से विभिन्न धार्मिक संगठनों और विपक्षी दलों द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है। उसी श्रृंखला के एक भाग के रूप में, मुसलमानों के सबसे गतिशील धार्मिक संगठन जमीयत उलेमा हिंद द्वारा आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 'भारतीय संविधान संरक्षण सम्मेलन' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी के उपाध्यक्ष नवाब जान (आमिर बाबू) भी शामिल हुए। भारतीय संविधान सम्मेलन में लाखों लोगों के हुजूम से संबोधित करते हुए टीडीपी उपाध्यक्ष ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक खामियों से भरा है और हमारी पार्टी इस विधेयक के खिलाफ है. उन्होंने आगे कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि हम सभी को इस संशोधन बिल के खिलाफ एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा. इस संबंध में उन्होंने केंद्र सरकार को मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने से परहेज करने की चेतावनी दी. टीडीपी नेता ने आगे कहा कि उलमाओं ने इस देश की आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया, लेकिन आज कुछ लोग इन बलिदानों को नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सब कुछ सह सकते हैं लेकिन जो लोग देश को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं हम उनके खिलाफ डटकर लड़ेंगे. टीडीपी उपाध्यक्ष ने आगे कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू एक धर्मनिरपेक्ष नेता हैं और देश की एकता और अखंडता और बहुलता में एकता का समर्थन करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश में कई धर्मों के अनुयायी रहते और बसते हैं, कानून ने सभी धर्मों के अनुयायियों को धार्मिक स्वतंत्रता दी है, इसलिए धर्म को मानने वालों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में जमीयत उलेमा हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी द्वारा आयोजित 'कन्वेंशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ द कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया' कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों मुसलमानों ने भाग लिया राजनीतिक दलों के पदाधिकारी भी शामिल हुए। गौरतलब है कि भारत के संविधान की रक्षा के लिए आयोजित इस सम्मेलन में मौजूद लाखों लोगों ने एक तरफ वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ आवाज उठाई तो दूसरी तरफ देशभर में मुसलमानों को निशाना बनाने जैसे माहौल बनाने का भी विरोध किया. मदरसा और मस्जिदों का निर्माण, मुसलमानों के घरों को चिह्नित करना और उन्हें बुलडोजर से ध्वस्त करना, गोमांस के नाम पर मुसलमानों पर अत्याचार और मुसलमानों की मॉब लिंचिंग और अन्य मुद्दों पर अपना क्रोध व्यक्त किया।

दिल्ली में पटाखे जलाने को लेकर हुए झगड़े में नाबालिग को चाकू घोंपा, तीन के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली, नवंबर : उत्तर पूर्वी दिल्ली में घर के बाहर पटाखे जलाने को लेकर हुए झगड़े में एक नाबालिग को चाकू मारने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात को घटी। पुलिस के अनुसार साहिल (17) अपने घर के सामने पटाखे जला रहा था, तभी वहां तीन अन्य निवासी पहुंचे और पटाखे जलाने लगे। पुलिस ने बताया कि पटाखे को जलाने को लेकर पीड़ित और दूसरे समूह के बीच झगड़ा हो गया, जिसके दौरान एक आरोपी ने साहिल को घोंप दिया। उसने बताया कि पीड़ित को जेपीसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 118(1) , 126(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई हैं। पुलिस ने बताया कि वे इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि दोनों पक्षों को पटाखे कहां से मिले थे। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में एक जनवरी 2025 तक पटाखे जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

राजवधन परमार राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराणा प्रताप सेना

दिल्ली। में पिछले सप्ताह महाराणा प्रताप सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजवर्धन परमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह कहा कि माननीय प्रधानमंत्री से जब मैं मिलूंगा तब उनके समक्ष मदरसा के मौलवियों, मंदिर के पुजारी/ पुरोहित के सभी लोगों के लिए एक सुनियोजित योजना बनाई जाए।

त्यौहारी सीजन में भीड़ को कम करने के लिए अतिरिक्त ट्रेन सेवाएं, यात्रियों के उत्साह और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे का सराहनीय कदम

नई दिल्ली, नवम्बर : त्यौहारों के दौरान भारतीय रेलवे द्वारा चलाई जा रही विशेष ट्रेनों से यात्रियों को राहत मिल रही है। हर साल की तरह, इस वर्ष भी रेलवे ने त्योहारों की भीड़ को देखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया है, जिससे दूर-दराज के शहरों और गांवों से आने-जाने वाले यात्रियों को सुविधा प्राप्त हो रही है। दिवाली, छठ, दशहरा और अन्य प्रमुख त्योहारों पर देशभर में लाखों लोग अपने घरों की ओर लौटते हैं, जिससे ट्रेन और अन्य परिवहन साधनों में भारी भीड़ देखने को मिलती है।

रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, विशेष ट्रेनों का संचालन विभिन्न लोकप्रिय रूटों पर किया गया है, जिनमें दिल्ली-पटना, मुंबई-गोरखपुर, हावड़ा-वाराणसी, चेन्नई-लखनऊ और अन्य रूट प्रमुख हैं। यह विशेष ट्रेनें कुछ स्थायी ट्रेनों के अतिरिक्त चलती हैं और उन रूटों पर अधिक फ्रीक्वेंसी प्रदान करती हैं, जहां यात्रियों की संख्या सामान्य से अधिक होती है। विशेष ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, रेलवे ने सीटों की संख्या में भी बढ़ोतरी की है ताकि अधिक से अधिक लोग यात्रा कर सकें और उन्हें सामान्य ट्रेन में सीट बुकिंग की समस्या का सामना न करना पड़े।

त्यौहारी विशेष ट्रेनों की योजना बनाते समय रेलवे ने यह सुनिश्चित किया है कि ट्रेनें समय पर चलें और यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस बार रेलवे ने ट्रेनों के समय और रूट की जानकारी अपनी वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से भी प्रदान की है, ताकि लोग अपने टिकट समय पर बुक कर सकें और उन्हें ट्रेन की जानकारी के लिए बार-बार पूछताछ केंद्र पर निर्भर न रहना पड़े। ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा से यात्री अपने घर से ही टिकट बुक कर सकते हैं, जिससे भीड़-भाड़ से बचने में मदद मिलती है।

इन विशेष ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को न केवल भीड़ से राहत मिली है, बल्कि उन्हें अपने गंतव्य तक आसानी से पहुँचने का मौका भी मिला है। रेलवे द्वारा किए गए इन प्रयासों से त्यौहारों के मौसम में यात्रियों का उत्साह भी बना रहता है, क्योंकि उन्हें अपने परिवार और प्रियजनों के साथ त्योहार मनाने का अवसर मिलता है। इसके अतिरिक्त, विशेष ट्रेनों के कारण अन्य नियमित ट्रेनों पर भीड़ का दबाव भी कम हुआ है, जिससे उनकी सेवाओं में भी सुधार हुआ है।

भारतीय रेलवे के इस कदम से यात्री सुरक्षा और यात्रा अनुभव में सुधार हुआ है। रेलवे प्रशासन का कहना है कि भविष्य में भी त्योहारी सीजन में विशेष ट्रेनें चलाने की योजना को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि देशभर में यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें त्योहारों का आनंद बिना किसी कठिनाई के मिल सके।

दिल्ली में छठ महापर्व पर होगा सार्वजनिक अवकाश

सीएम आतिशी ने दिल्ली में छठ महापर्व के दिन अवकाश की घोषणा की

>> सभी पूर्वांचली भाई-बहन धूमधाम से छठ महापर्व मना सके इसलिए 7 नवम्बर को दिल्ली में सार्वजनिक अवकाश रहेगा-सीएम आतिशी

01 नवंबर, नई दिल्ली

दिल्ली में छठ महापर्व पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। शुक्रवार को सीएम आतिशी ने छठ महापर्व पर अवकाश की घोषणा करते हुए कहा कि, सभी पूर्वांचली भाई-बहन धूमधाम से छठ महापर्व मना सके इसलिए 7 नवम्बर को दिल्ली में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। सीएम आतिशी ने इस बाबत आदेश जारी करते हुए कहा कि, छठ पूजा दिल्ली के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। ऐसे में दिल्ली सरकार ने "छठ पूजा" के अवसर पर 07 नवंबर, 2024 को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है। सीएम आतिशी ने अपने एक्स(ट्विटर) हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा कि, "मुझे यह बताते हुए खुशी है कि दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि 7 नवम्बर को छठ के त्यौहार की छुट्टी होगी, ताकि सभी पूर्वांचली भाई-बहन धूम-धाम से छठ का त्यौहार मना सकें।

शाह रविवार को झारखंड चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी करेंगे

दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चुनाव घोषणापत्र जारी करेंगे और तीन रैलियों को संबोधित करेंगे। शाह शनिवार रात झारखंड की राजधानी रांची पहुंचे। भाजपा ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को रांची में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए संकल्प पत्र जारी करेंगे। वह दिन में घाटशिला, बरकट्ठा और सिमरिया विधानसभा क्षेत्रों में तीन जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चार नवंबर को झारखंड का दौरा करेंगे और दो जन सभाओं को संबोधित करेंगे। मोदी के दौरे के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पांच नवंबर को जमशेदपुर में एक जनसभा करेंगे। भाजपा नेताओं ने बताया कि शाह झारखंड के गठन के 25 साल पूरे होने के मौके पर भाजपा के घोषणापत्र के 25 प्रमुख बिंदुओं और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 150 बिंदुओं वाला दस्तावेज जारी कर सकते हैं। राज्य में 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

समाज में स्तन कैंसर से जुड़े कलंक को हटाने का प्रयास

सोशल मीडिया के जरिए विशेषज्ञों के विचार और जागरूकता संदेश का प्रसार

स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने और नियमित जांच पर जोर

जागरूकता अभियान में हिस्सा लेते गणमान्य।

नई दिल्ली, नवम्बर : कैंसर अस्पतालों में से एक वेदांता के बाल्कोमेडिकल सेंटर ने स्तन कैंसर जागरुकता माह के दौरान व्यापक जागरूकता अभियान शर्म छोड़ो, गांठों पे बोलो चलाया। जिसका लक्ष्य था स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाना तथा इस मर्जसे जुड़े कलंक को हटाना। इस पहल के तहत बीएमसी ने कई कार्यक्रम आयोजित किए जैसे स्वास्थ्यजांच, बाईक रैली, निशुल्क मैमोग्राफी स्क्रीनिंग व शैक्षिक पॉडकास्ट ताकी इस रोग कासमय रहते पता लगाया जा सके और समुदाय के लोगों में इस विषय पर जागरुकता बढ़े। स्तन कैंसरजागरुकता माह के दौरान बीएमसी ने इस पर ध्यान केन्द्रित किया की जनता को इस बारे मेंशिक्षित किया जाए और इसकी रोकथाम व जांच हेतु सक्रिय उपायों को प्रोत्साहन दिया जाए।

इस पूरे महीने बीएमसी ने निशुल्क मैमोग्राफी जांच की सुविधाप्रदान की ताकी महिलाओं को इस बीमारी के बारे में सचेत किया जाए और समय रहते पता लगानेकी निवारक जांच को बढ़ावा दिया जाए। अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में बीएमसी की मोबाइल कैंसरडिटेक्शन वैन ने आसपास के गांवों में 45 वर्ष से अधिक की महिलाओं के लिए जांच शिविरआयोजित किए। इन शिविरों ने नियमित जांच की अहमियत को समझाया और स्वयं स्तन परीक्षण सिखाया जिससे महिलाओं ने सक्रिय स्तन स्वास्थ्य के महत्व को जाना। समुदाय को और अधिक इस अभियान से जोड़ने के लिए ब्रैस्ट कैंसरअवेयरनेस बाइक रैली निकाली गई जिसमें 10 बाइकिंग समूहों ने हिस्सा लिया, जिनमें270 के लगभग राइडर थे, तत्पश्चात वृक्षारोपण किया गया जो आशा एवं वृद्धि का प्रतीकबना; इस प्रकार समुदाय ने स्तन कैंसर जागरुकता को सहयोग देने तथा सभी के लिए एक स्वास्थ्यकरभविष्य पोषित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बीएमसी ने इन गतिविधियों को सोशल मीडियाके जरिए प्रसारित किया, जहां इस अभियान की मुख्य झलकियां, एक जागरुकता हिंडोला और विशेषज्ञोंके वीडियो साझा किए गए।

राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए किया प्रचार

दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा उपचुनाव के लिए आज वायनाड के मनंतवाडी में अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने मनंतवाडी की जनता को भरोसा दिलाया कि प्रियंका उनके लिए सबसे अच्छी सांसद साबित होगी। राहुल ने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि वह मेरी बहन है और अब आप सभी भी भाग्यशाली होंगे। वह आपकी बहन की तरह, आपकी मां की तरह, आपकी बेटी की तरह होंगी। मुझे पूरा भरोसा है कि आपको सबसे बेहतरीन सांसद मिलने जा रहा है। अपने संबोधन को शुरू करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'यह पहली बार है कि मैं अपनी बहन के लिए प्रचार करने के लिए किसी मीटिंग में आया हूं। मेरे पहले चुनाव के दौरान, मेरी बहन ने मेरे लिए प्रचार किया था और तब से वह ऐसा कर रही है। उसने हमारी मां के लिए प्रचार किया। उसने हमारे पिता के लिए भी प्रचार किया। वह हमेशा से ही प्रचारक रही है और अब तक कभी चुनाव में खड़ी नहीं हुई। यह उसके बारे में बहुत कुछ बताता है। जनता को प्रियंका गांधी की खूबिया बताते हुए राहुल ने कहा, 'मेरी बहन एक अलग स्तर पर सोचती है। कई राजनेता एक किसान को देखते हैं और उसे सिर्फ. "किसान" के रूप में लेबल करते हैं। मेरी बहन ऐसा नहीं कहेगी। उसके लिए, वह एक पिता है, एक भाई है। वह समझने की कोशिश करेगी कि वह व्यक्ति किस दौर से गुजर रहा है। वह किसान से बात करेगी और पूछेगी कि सही कीमतों से वंचित होने पर उसे कैसा महसूस होता है; जब वह अपने बच्चे की स्कूल फीस नहीं भर पाया या जब उसकी मां कठव में थी और वह उसका खर्च नहीं उठा पाया तो उसे कैसा लगा।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बिगड़ने के कारण धुंध की मोटी परत से ढके होने का दृश्य।

रामलीला मैदान के सामने हनुमान वाटिका मंदिर में गोवर्धन पूजा के दौरान भक्त अनुष्ठान करते हैं।

मंदिरों में आज गोवर्धन पूजा पर्व धूमधाम से मनाया गया।

गुरुग्राम में दिवाली के बाद धुंध में डूबी इमारतों का दृश्य।

हसनपुर में धूमधाम से मनाया गया भैया दूज का त्यौहार

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को नगर में भैया दूज का त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया, भैया दूज के चलते नगर में भारी भीड़ दिखाई पड़ी, जहां एक और बहनों ने भाइयों के तिलक लगाकर उनकी दीघार्यु की कामना की वहीं भाइयों ने भी उपहार स्वरूप बहनों को कुछ ना कुछ भेंट दिया, बता दे की रविवार को भैया दूज के चलते नगर के बाजारों में मिठाई की दुकानों पर मिठाई खरीदने वालों की भीड़ नजर आई वहीं गोला फल आदि खरीदने वाले भी भारी संख्या में नजर आए, किसी क्रम में नगर के व्यापारी मुकेश गुप्ता को उनकी मुह बोली बहन शाहजहां ने भैया दूज का तिलक लगाया, उधर अंबेडकर विकास मंच के अध्यक्ष महेंद्र आर्य को उनकी मुह बोली बहन ने तिलक लगाकर उनकी दीघार्यु की कामना की साथ ही शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव की बहन बिना यादव ने भाई रवि यादव, वेद प्रकाश यादव, राजेंद्र यादव सहित सभी भाइयों को तिलक लगाकर उनकी दीघार्यु की कामना की, बता दे कि नगर के व्यापारी एवं अग्रवाल युवा सभा के अध्यक्ष सुमित अग्रवाल व उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के युवा जिला अध्यक्ष शिखर अग्रवाल को उनकी बहन ने भैया दूज पर तिलक लगाया और उनकी दीघार्यु की कामना की, वही नगर के वरिष्ठ व्यापारी उमेश अग्रवाल की बहन प्रवेश अग्रवाल ने उन्हें तिलक लगाकर दीघार्यु की कामना की,उधर अधिवक्ता सुरभित गुप्ता की बहन ने भी सुरभीत गुप्ता को तिलक लगाकर उनकी दीघार्यु की कामना की, इसी प्रकार नगर सहित देहात क्षेत्र में भी भैया दूज की धूम रही, जिसके चलते बहनों ने अपने-अपने भाइयों के तिलक लगाकर उनकी दीघार्यु की कामना की।

बेवजाह मां की डांट खाता हूं, दिल से बचपन जुदा नहीं होता, उझारी में शेअरी नशिस्त का आयोजन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/उझारी। शनिवार की देर रात भूरे कुरेशी बज्मे उर्दू अदब की जानिब से मोहल्ला सादात, कस्बा उझारी में एक शेअरी नशिस्त का आयोजन किया गया। जिसका आगाज डॉ० फैसल शुजाअत ने नात ए पाक पढ़कर किया। डॉ० नदीम मलिक ने अपना कलाम पेश करते हुए कहा- पाबंदियां जमाने ने हम पर लगायी हैं, वो भी है बेकरार इधर बेकरार मैं। शहाबुद्दीन सैफी ने अपने कलाम में कहा- मेरे दिल की अजीबो गरीब चाहत है, यह इस तरह से किसी पर फिदा नहीं होता। शाकिर मसऊदी ने कहा- वो जफाओं के खंजर चलाते रहे, हम भी रस्मे उल्फत निभाते रहे। डॉ० फैसल शुजाअत ने कहा- इश्क करते हो जान लो ये भी, इसका सजदा कजा नहीं होता। मास्टर मौ० असलम ने अपना कलाम यूं पेश किया- वो आएंगे एक दिन हमें देखने को, गमो को हमारे जो झुटला रहे हैं। जफर गनी ने कहा- बहुत दुख होगा तुम्हें सुनके कहानी मेरी, यह बुढ़ापा है मगर क्या थी जवानी मेरी। इफ्तखार अहमद ने अपने कलाम में कहा- दिन है तो रात भी होगी घटा है तो बरसात भी होगी, मेरे अजीज अगर जिंदगी रही तो मुलाकात भी होगी। निजामुद्दीन सैफी "निजाम" ने अपना कलाम इस तरह पेश किया- काश चेहरा हिजाब में होता, जख्म दिल का हरा नहीं होता। उमर अब्दुल्ला सिंधी ने अपने कलाम में कहा- बेवजाह मां की डांट खाता हूं, दिल से बचपन जुदा नहीं होता। अलाउद्दीन सैफी ने अपने कालम में कहा- मौत का झोंका उड़ा कर ले गया, जिंदगी बस हाथ मल कर रह गई। चमन हैदर बाकरी ने अपने कलाम में कहा- खुद को महदूद कर ले अपने तक, कोई ऐसा दिया नहीं होता। इस अवसर पर मुख्य रूप से मौ० फहीम कस्सार, जावेद अली, साजिद कुरैशी, अब्दुल शकूर सैफी आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता चमन हैदर बाकरी ने तथा संचालन अलाउद्दीन सैफी ने किया।

बड़े भाई ने रूपए नहीं दिए तो छोटे भाइयों ने जमकर पीटा, दी तहरीर

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को तहसील के क्षेत्र के सैद नंगली थाना क्षेत्र के गांव देहरा मिलक निवासी सर्वेश पुत्र हेतराम गजरौला में मजदूरी का कार्य करता है। आरोप है कि आज वह भाई दूज के त्योहार पर वह घर आया हुआ था। इसी दौरान छोटे भाई आकाश एवं अंकुश द्वारा उससे दो हजार रुपए मांगे जाने लगे लेकिन पैसे नहीं देने पर दोनों छोटे भाइयों ने बड़े भाई सर्वेश को जमकर पीटा, और दोनों छोटे भाइयों ने पलटा तथा लाठी डंडे से मारपीट शुरू कर दी। जिसमें सर्वेश गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं थाने पहुंचे घायल ने न्याय की गुहार लगाई। जहां से पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया और पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है, वही अब दोनों छोटे भाई बड़े भाई से माफी मांगते हुए समझौते के प्रयास में लगे हुए हैं।

भगवान चित्रगुप्त जयंती पर निकाली गई प्रभात फेरी

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को नगर में भगवान चित्रगुप्त जी की जयंती पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जो नगर के मोहल्ला कायस्थान स्थित हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई तथा विभिन्न मार्गो से घूमती हुई वापस हनुमान मंदिर पर आकर संपन्न हुई, इस बीच भगवान चित्रगुप्त के अनुयाई चित्रगुप्त जी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे, वही जगह-जगह रास्ते में समाज के लोगों द्वारा भगवान चित्रगुप्त जी की प्रभात फेरी पर पुष्प वर्षा की गई तथा स्वागत किया गया, बता ते चले कि हसनपुर में चित्रगुप्त जयंती की शुभ अवसर पर कायस्थ सभा के अध्यक्ष चित्रांश अतुल सक्सेना के नेतृत्व में प्रभात फेरी निकाली गई, प्रभात फेरी के उपरांत चित्रगुप्त महाराज की आरती करके समापन हुआ। वही दोपहर 12 मोहल्ला कायस्थान हनुमान मंदिर में चित्रगुप्त जी का पूजन व हवन किया गया इस मौके पर मुख्य रूप से कुलभूषण सक्सेना,सचिव दीपक सक्सेना, कोषाध्यक्ष अक्षय सक्सेना, संरक्षक हरिओम सक्सेना, अमित सक्सेना, पंकज भटनागर, मंकू सक्सेना, सुनील भटनागर, विनोद कुमार सक्सेना, एडवोकेट नितिन सक्सेना, कपिल भटनागर, शैंकी सक्सेना, हरिओम माथुर, सुनील सक्सैना, शुभम सक्सेना, अनिल कुमार सक्सैना, डैनी सक्सैना सहित चित्रांश परिवारों की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के नगर प्रवेश में दिखी दिव्य, भव्य और सुव्यवस्थित महाकुंभ के आयोजन की झलक

प्रयागराज, 03 नवंबर। प्रयागराज में जनवरी 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ में जन आस्था के सबसे बड़े आकर्षण 13 अखाड़ों का कुंभ नगरी में प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में रविवार को महाकुम्भ 2025 की तैयारियों के लिए श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े का नगर प्रवेश पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। योगी सरकार के दिव्य, भव्य और सुव्यवस्थित महाकुंभ के आयोजन के संकल्प की झलक भी नगर प्रवेश यात्रा में स्पष्ट दिखी।

सनातन की अलख जगाने जूना अखाड़े का कुंभ नगरी में भव्य प्रवेश

त्रिवेणी के तट पर लगने जा रहे आस्था के महा समागम प्रयागराज महाकुम्भ में शामिल होने के लिए अखाड़ों का कुंभ नगरी में जमघट होना शुरू हो गया है। संन्यासियों के श्री पंचदशनाम अखाड़े ने कुम्भ नगरी में पूरे राजसी वैभव के साथ प्रवेश किया। शहर के बाहर रामापुर गांव के हनुमान मंदिर से अपने रमता पंच के साथ अखाड़े के संन्यासियों और महात्माओं की भव्य नगर प्रवेश यात्रा शुरू हुई जिसका समापन शहर में जूना अखाड़े के मौज गिरी आश्रम में हुआ। नगर प्रवेश यात्रा के मार्ग में अखाड़े के महात्माओं का जगह जगह कुंभ मेला प्रशासन की तरफ से फूलों से स्वागत किया गया। चांदी के सिंहासन में सवार अखाड़ों के महामण्डलेश्वरों पर मार्ग में स्थानीय जनता ने पुष्प वर्षा की। अखाड़े के साधु संत अब यहीं प्रवास करेंगे। 14 दिसंबर को जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि की अगुवाई में अखाड़े का कुंभ क्षेत्र में प्रवेश होगा।

नगर प्रवेश के मार्गो में मुस्तैद दिखा प्रशासन

नगर प्रवेश यात्रा के सकुशल समापन के लिए महाकुंभ प्रशासन की तरफ से भारी पुलिस बल की तैनाती की गई। अपर कुंभ मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी की अगुवाई में प्रस्थान स्थल रामापुर से प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें अखाड़े के साधु संतो के साथ साथ चलती रहीं। मार्ग में सुचारू रूप से यातायात संचालन की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए चार सर्किल ऑफिसर, 6 इंस्पेक्टर, 9 सब इंस्पेक्टर और 40 पुलिस के जवानों की तैनाती की गई। जिला पुलिस के जवान अलग से विभिन्न मार्गों में यातायात व्यवस्था के लिए मुस्तैद दिखे। नगर प्रवेश यात्रा के दौरान कहीं सड़कों में जाम न लगने पाए इसकी व्यवस्था की गई।

विदेशों से आए संतों ने महाकुंभ के आयोजन की तैयारियों को सराहा

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के नगर प्रवेश यात्रा में अखाड़े के एक हजार से अधिक साधु संतों ने हिस्सा लिया ।नगर प्रवेश यात्रा में मातृ शक्ति की मौजूदगी भी देखने को मिली। देश विदेश से बड़ी संख्या में महिला महा मंडलेश्वर भी नगर प्रवेश यात्रा का हिस्सा बनी। नेपाल से आई महिला संत और जूना अखाड़े की महा मंडलेश्वर हेमा नन्द गिरी का कहना है कि संतो का सौभाग्य है कि जिस प्रदेश में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है वहां के मुख्यमंत्री भी एक संत हैं। योगी जी की तरफ से जिस तरह भव्य और दिव्य महाकुंभ के आयोजन का संकल्प लेकर आयोजना की तैयारियां चल रही हैं उससे सनातन धर्म का प्रचार प्रसार नेपाल सहित दुनिया के विभिन्न देशों में अब तेजी से हो रहा है।

गजरौला जा रहे भाई बहन को कार ने मारी टक्कर दोनों घायल

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को भैया दूज पर अपनी बहन के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर गजरौला दिशा की ओर जा रहे भाई बहन को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित करने टक्कर मार दी जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए बताते चले की कार की टक्कर से बाइक सवार दोनों बहन भाई घायल हो गए वहीं आनन-फानन सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। रविवार को नगर के मोहल्ला काला शहीद निवासी विशाल पुत्र मुकेश अपनी बहन सुमन के साथ बाइक पर सवार होकर गजरौला दिशा को जा रहा था। जहां नगर के गांव मनोटा पुल के नजदीक फॉर्च्यूनर कार ने बाइक सवार दोनों भाई बहन को जोरदार टक्कर मार दी। इस दौरान दोनों भाई-बहन सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन दोनों भाई बहनों को घायल अवस्था में नगर के सीएचसी केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां पर उनका उपचार किया जा रहा था। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। फिलहाल दोनों पक्षों में फैसले के प्रयास किया जा रहे हैं। बता ते चले कि नगर में भैया दूज के त्योहार पर इस बार भारी भीड़ नजर आ रही है इसी के कारण बाइक स्वरों की भीड़ भी अत्यधिक होने के चलते हादसों की आशंका बढ़ गई है।

टीबी नोटिफिकेशन में इस साल भी सबसे आगे योगी सरकार, लक्ष्य के करीब पहुंचा उत्तर प्रदेश

लखनऊ, 3 नवंबर। योगी सरकार ने ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के मरीजों की पहचान कर इलाज करने में एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। योगी सरकार ने पिछले वर्ष की तरह इस वित्तीय वर्ष में भी उत्तर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य में अन्य प्रदेशों की तुलना में आगे चलने का कीर्तिमान दर्ज किया है। योगी सरकार को इस साल 6.5 लाख मरीजों के चिन्हिकरण का लक्ष्य मिला था। अक्तूबर माह की समाप्ति तक लक्ष्य के सापेक्ष 86 प्रतिशत मरीजों की पहचान कर देश में पहले स्थान पर है जबकि दूसरे स्थान पर महराष्ट्र है, जहां पर 1,85,765 मरीजों का नोटिफिकेशन किया गया। इसी तरह बिहार तीसरे स्थान पर है, जहां 1,67,161 मरीजों का नोटिफिकेशन किया गया है। यानी इस साल भी बीते साल की तरह प्रदेश लक्ष्य से ऊपर टीबी नोटिफिकेशन कर लेगा।

लखनऊ, गोरखपुर में सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों को नोटिफिकेशन रहा बराबर

विशेषज्ञों का मानना है कि देश-प्रदेश से टीबी उन्मूलन का एक ही तरीका है कि ज्यादा से ज्यादा मरीजों का चिन्हिकरण व इलाज किया जाए। इसी के मद्देनजर केंद्रीय टीबी डिवीजन ने सभी प्रदेशों को साल की शुरूआत में टीबी नोटिफिकेशन का लक्ष्य तय किया था। उत्तर प्रदेश को 6.5 लाख मरीज खोजने का लक्ष्य दिया गया था। बीते साल यह 5.5 लाख का था। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक 31 अक्तूबर तक प्रदेश में पांच लाख 59 हजार टीबी मरीजों की पहचान की जा चुकी है। इसमें प्राइवेट डॉक्टरों की भूमिका भी सराहनीय रही है। दो लाख से ज्यादा मरीजों की पहचान यानी तकरीबन 40 प्रतिशत मरीज प्राइवेट डॉक्टरों के माध्यम से पंजीकृत हुए हैं। आगरा, मथुरा, झांसी, कानपुर, मेरठ व मुरादाबाद में तो प्राइवेट डाक्टरों ने सरकारी डॉक्टरों से भी ज्यादा बेहतर प्रदर्शन किया है। लखनऊ, गोरखपुर व बरेली में सरकारी व प्राइवेट नोटिफिकेशन बराबर का रहा है।

बीते साल भी प्रदेश ने लक्ष्य के सापेक्ष 115 प्रतिशत किया था टीबी नोटिफिकेशन

राज्य टीबी अधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर ने बताया कि सीएम योगी मंशा के अनुरुप वर्ष 2025 तक प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए युद्धस्तर पर काम चल रहा है। इसी का नजीजा है कि इस वर्ष भी प्रदेश टीबी नोटिफिकेशन में अन्य प्रदेशों की तुलना में आगे चल रहा है। काबिले गौर है कि केंद्र द्वारा दिए गए इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा तरह-तरह के प्रयास किए गए हैं। इनमें हर माह की 15 तारीख को एकीकृत निक्षय दिवस, एक्टिव केस फाइंडिंग (एसीएफ) अभियान व दस्तक अभियान का बार-बार चलाया जाना प्रमुख है। यही कारण है कि बीते साल भी प्रदेश ने लक्ष्य के सापेक्ष 115 प्रतिशत टीबी नोटिफिकेशन किया था। वर्ष 2023 में टीबी नोटिफिकेशन का लक्ष्य 5.5 लाख था जिसके सापेक्ष प्रदेश ने 6.33 लाख मरीज खोजे थे।

यहां प्राइवेट नोटिफिकेशन बढ़ने की जरूरत

टीबी उन्मूलन के लिए प्रदेश में ज्यादातर जनपदों में प्राइवेट डाक्टर सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं लेकिन कुछ जनपद ऐसे भी हैं जहां प्राइवेट नोटिफिकेशन बहुत कम हो रहा है। जैसे श्रावस्ती में इस साल सिर्फ 38 प्राइवेट नोटिफिकेशन हुए हैं। इसके अलावा महोबा में सिर्फ 215, संतरवीदास नगर में 271, हमीरपुर में 277, कन्नौज में 293, सोनभद्र में 297, चित्रकूट में 312, सुलतानपुर में 370, अमेठी में 392 और कानपुर देहात में सिर्फ 395 प्राइवेट नोटिफिकेशन हुए हैं। इन जनपदों में प्राइवेट डाक्टरों की प्रतिभागिता बढ़े जाने की जरूरत है।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं को होंगे अमृत कलश के दर्शन

प्रयागराज, 03 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस बार प्रदेश सरकार महाकुंभ को पिछले सभी कुंभ से ज्यादा विराट, भव्य और दिव्य बनाने के लिए प्रयागराज में चौबीस घंटे काम कर रही है। इसी क्रम में इलाहाबाद संग्रहालय प्रयागराज ने महाकुंभ की भव्यता को नया रूप देने की योजना बनाई है। संग्रहालय ने महाकुंभ के दौरान कलश से टपकती अमृत की बूंद के दृश्य को प्रतिकृति के रूप में प्रदर्शित करने का फैसला किया है। भारतीय कला व संस्कृति को प्रदर्शनी के द्वारा प्रदर्शित करने के लिए बाकायदा मेला प्रशासन से लगभग 12 हजार वर्ग फिट जमीन की डिमांड भी की गई है।

सेल्फी प्वाइंट के रूप में होगा विकसित

संग्रहालय के डिप्टी क्यूरेटर डॉ. राजेश मिश्रा के अनुसार महाकुंभ के दौरान संग्रहालय की तरफ से स्थापित अमृत कलश देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। अमृत टपकता कुंभ श्रद्धालुओं के लिए सेल्फी प्वाइंट के तौर पर विकसित किए जाने की योजना है। महाकुंभ के पौराणिक महत्व को देखते हुए ही इस बार अमृत कलश की स्थापना का निर्णय लिया गया है।

क्रांतिकारियों की गाथा का प्रदर्शन

इसके साथ ही इलाहाबाद संग्रहालय प्रयागराज ने दुनिया की पहली ऐसी वीथिका का भी निर्माण किया है, जहां सन 1857 से लेकर आजादी मिलने तक सभी प्रमुख क्रांतिकारियों की गाथा का प्रदर्शन किया गया है। जिसमें देश की आजादी के लिए लड़ने वाले गरम दल के लगभग सभी क्रांतिकारियों को प्रदर्शित किया गया है।

90 साल की क्रांति का सजीव चित्रण

इलाहाबाद संग्रहालय ने 90 साल की क्रांति को जीवंत रूप दिया है। यहां मंगल पांडे से लेकर चंद्रशेखर आजाद तक लगभग सभी बड़े आजादी के परवानों के बारे में लोगों को जानने को मिलेगा। डिजिटल और आलेखों से बनी यह दुनिया की पहली वीथिका है, जहां एक साथ इतने क्रांतिकारियों को नमन करने और उनकी खूबियां जानने का अवसर मिलेगा। 1857 से लेकर 1947 तक देश पर न्योछावर एक एक वीर का इतिहास जानकर लोग दंग रह जाएंगे।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं को होंगे अमृत कलश के दर्शन

इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज तैयार कर रहा है योजना

प्रयागराज, 03 नवंबर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस बार प्रदेश सरकार महाकुंभ को पिछले सभी कुंभ से ज्यादा विराट, भव्य और दिव्य बनाने के लिए प्रयागराज में चौबीस घंटे काम कर रही है। इसी क्रम में इलाहाबाद संग्रहालय प्रयागराज ने महाकुंभ की भव्यता को नया रूप देने की योजना बनाई है। संग्रहालय ने महाकुंभ के दौरान कलश से टपकती अमृत की बूंद के दृश्य को प्रतिकृति के रूप में प्रदर्शित करने का फैसला किया है। भारतीय कला व संस्कृति को प्रदर्शनी के द्वारा प्रदर्शित करने के लिए बाकायदा मेला प्रशासन से लगभग 12 हजार वर्ग फिट जमीन की डिमांड भी की गई है।

सेल्फी प्वाइंट के रूप में होगा विकसित

संग्रहालय के डिप्टी क्यूरेटर डॉ. राजेश मिश्रा के अनुसार महाकुंभ के दौरान संग्रहालय की तरफ से स्थापित अमृत कलश देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। अमृत टपकता कुंभ श्रद्धालुओं के लिए सेल्फी प्वाइंट के तौर पर विकसित किए जाने की योजना है। महाकुंभ के पौराणिक महत्व को देखते हुए ही इस बार अमृत कलश की स्थापना का निर्णय लिया गया है।

क्रांतिकारियों की गाथा का प्रदर्शन

इसके साथ ही इलाहाबाद संग्रहालय प्रयागराज ने दुनिया की पहली ऐसी वीथिका का भी निर्माण किया है, जहां सन 1857 से लेकर आजादी मिलने तक सभी प्रमुख क्रांतिकारियों की गाथा का प्रदर्शन किया गया है। जिसमें देश की आजादी के लिए लड़ने वाले गरम दल के लगभग सभी क्रांतिकारियों को प्रदर्शित किया गया है।

90 साल की क्रांति का सजीव चित्रण

इलाहाबाद संग्रहालय ने 90 साल की क्रांति को जीवंत रूप दिया है। यहां मंगल पांडे से लेकर चंद्रशेखर आजाद तक लगभग सभी बड़े आजादी के परवानों के बारे में लोगों को जानने को मिलेगा। डिजिटल और आलेखों से बनी यह दुनिया की पहली वीथिका है, जहां एक साथ इतने क्रांतिकारियों को नमन करने और उनकी खूबियां जानने का अवसर मिलेगा। 1857 से लेकर 1947 तक देश पर न्योछावर एक एक वीर का इतिहास जानकर लोग दंग रह जाएंगे।

विशेष ट्रैक सूट में श्रद्धालुओं की मदद को तत्पर रहेंगे ड्राइवर, नाविक और गाइड

प्रयागराज, 3 नवंबर। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की तैयारी जोरों पर है। इसके अंतर्गत आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए प्रशासन ने कुछ नई पहल की हैं। खासतौर से कुंभ मेले में कार्यरत ड्राइवर, नाविक, गाइड और ठेला संचालकों को विशेष तरह के ट्रैक सूट पहनाने की योजना बनाई गई है। इससे ना केवल इन्हें पहचानना आसान होगा, बल्कि पर्यटकों को भी इनसे सहायता प्राप्त करने में भी सुविधा होगी।

विशेष पहचान के लिए विभिन्न रंग

चारों श्रेणियों के लिए विशेष ट्रैक सूट तैयार किए जा रहे हैं। प्रशासन ने यह निर्णय इस बात को ध्यान में रखते हुए लिया है कि मेले में भीड़भाड़ के दौरान यात्रियों को आवश्यक सेवाएं सहजता से मिल सकें। ड्राइवरों, नाविकों, गाइडों और ठेला संचालकों के लिए अलग अलग प्रकार के ट्रैक सूट निर्धारित किए गए हैं। इस प्रकार, हर श्रेणी की अपनी एक विशिष्ट पहचान होगी, जिससे यात्री आसानी से इन सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

प्रतीक चिन्ह से होगी पहचान

प्रत्येक ट्रैक सूट पर कुंभ और पर्यटन विभाग का प्रतीक चिन्ह अंकित होगा। यह संबंधित व्यक्ति की पहचान को दर्शाएगा, जिससे किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता में पारदर्शिता बनी रहेगी। प्रशासन का मानना है कि इस नई व्यवस्था से मेले में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था और यात्री समस्याओं को नियंत्रित किया जा सकेगा।

सुविधा और सुरक्षा की दिशा में एक कदम

महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या में लोग आते हैं। ऐसे में व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखना एक चुनौती होती है। ट्रैक सूट योजना का उद्देश्य यात्रियों को सहजता और सुविधा प्रदान करना है। पर्यटन विभाग का मानना है कि इस पहल से न केवल पर्यटकों की सहूलियत में इजाफा होगा, बल्कि उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

वर्जन

महाकुंभ 2025 में ड्राइवर, नाविक, गाइड और ठेला संचालकों को ट्रैक सूट प्रदान किए जाएंगे। इन ट्रैक सूट पर पर्यटन और कुंभ का लोगो भी अंकित होगा। ये बदलाव विशेष आकर्षण होंगे, जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करेंगे।

अपराजिता सिंह, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के चुनाव अगले दो महीने में, जल्द होगी घोषणा

करनाल सुखविन्दर सोही

हरियाणा। सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के चुनाव अगले दो महीने में हो जाएँगे व इसकी आधिकारित घोषणा हरियाणा सिख गुरुद्वारा चुनाव आयोग द्वारा जल्दी कर दी जाएगी। यह आश्वासन आज हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिख एकता दल के डेलीगेशन को दिया। मुख्यमंत्री निवास कबीर कुटीर पर हरियाणा के सिख समाज के मुद्दों पर चर्चा के लिए विशेष रूप से बुलाए गए हरियाणा सिख एकता दल के सदस्यों को मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि इसके लिए हमने हर ज़िले के उपायुक्त को नोडल अधिकारी बना दिया है व सिख समाज जल्दी से जल्दी अपनी वोट बनवाए, जिसकी प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने सिख समाज की बाकी माँगों पर भी सकारात्मक रुख दिखाते हुए उनके जल्दी हल का यकीन दिलाया। हरियाणा सिख एकता दल की ओर से आज प्रीतपाल सिंह पन्नु, जगदीप सिंह औलख, गुरतेज सिंह खालसा, अमरजीत सिंह मोहड़ी अंबाला, जत्थेदार अवतार सिंह चक्कु, शरणजीत सिंह सौंथा कैथल, सुखविंदर सिंह झब्बर, अमृत सिंह बुग्गा, लखविन्द्र सिंह सिरसा, एडवोकेट गुरतेज सिंह सेखों कुरुक्षेत्र, कुलविंदर सिंह गिल हिसार, मनदीप सिंह फतेहाबाद, सुखदीप सिंह कुरुक्षेत्र, सरबजीत सिंह बत्रा यमुनानगर, सुखविंदर सिंह चम्मू व पानीपत से तेजिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री को हरियाणा के सिख समाज की माँगों का ज्ञापन सौंपा। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, ओएसडी भारत भूषण भारती व ओएसडी प्रभलीन सिंह भी मौजूद रहे। सिख डेलीगेशन की और से मुख्य मंत्री के सकारात्मक रुख की प्रशंसा की गई व उम्मीद जाहिर की कि सिख समाज को उनके बनते हक जल्दी दिये जाएँगे। हरियाणा सिख एकता दल की और से निम्न माँगों को जल्दी हल करने के लिए मुख्यमंत्री को।

तृतीय पंचकूला पुस्तक मेले का उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी

एक भारत श्रेष्ठ भारत का वाहक बनेंगी किताबें, इन्द्रधनुष आडिटोरियम परिसर में 7 दिवसीय तृतीय पंचकूला पुस्तक मेला कल से

8 से अधिक विभाग का संयुक्त प्रयास है ये पुस्तक मेलाः पी.के. दास

पंचकूला, नवम्बर : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का सपना एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को साकार करने के लिए ऊर्जा संस्कृति समिति की पहल पर ऊर्जा विभाग हरियाणा, पर्यावरण विभाग, पुलिस विभाग एवं एच एस वी पी, के सानिध्य में अक्षय ऊर्जा विभाग पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, संस्कृति विभाग, महिला बाल विकास, परिवहन विभाग, जिला प्रशासन एवं नगर निगम पंचकूला की संयुक्त पहल पर हिन्दी, अंग्रेजी, पंजाबी भाषा के 100 से अधिक प्रकाशको की किताबों की दुनिया पंचकूला के नागरिक समाज के लिए प्रदर्शित की जा रही है।

हरियाणा एवं ऊर्जा संस्कृति समिति के संरक्षक पीके दास ने पुस्तक मेले के बारे में बताया कि किताबें श्रेष्ठ समाज की रचना का आधार है। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर समाज के सभी आयु समूह के लिए किताबों को जीवन का हिस्सा बनाना आजादी के रंग किताबों के संग की अवधारणा को साकार करने जैसा है। उन्होने कहा कि हरियाणा दिवस एवं दीपावली जैसे उत्सवों के अवसर पर मेले में प्रतिदिन विमर्श कार्यशाला और रंगमंच के माध्यम से समाज को चिन्तनशील बनाने के लिए कई आयोजन किये जा रहे है।

उन्होंने कहा कि इस 7 दिवसीय पुस्तक मेले का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को सुबह 10 बजे करेंगे। ऊर्जा संरक्षण, प्रकृति रक्षा का संस्कार, साईबर युग में किताबें, सडक सुरक्षा जीवन रक्षा, महिला सशक्तिकरण में साहित्य की भूमिका जैसे विषयो के माध्यम से प्रतिदिन युवाओं से संवाद होगा। बाल मंडप पवेलियन में चित्रकला पुस्तक प्रश्नोत्तरी, समूह गीत, नृत्य, रागनी, कवि गोष्ठी जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। आर्ट एजुकेशन में प्रसिद्ध चित्रकार विशेष हिस्सेदारी निभा रहे है।

पंचकूला पुस्तक मेले में हरियाणा की क्रिएटिव ब्यूरोक्रेसी की कृतियों के साथ प्रकृति रक्षा में किताबें विशेष रूप से प्रदर्शनी है। मेले में लेखक से मिलिए साहित्य चौपाल फिल्म प्रदर्शन विशेष आकर्षण के केन्द्र रहेंगे। भारत की साहित्य अकादमी, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के साथ हरियाणा की साहित्य अकादमी, ग्रन्थ अकादमी, पंजाबी अकादमी, संस्कृति अकादमी, उर्दू अकादमी विशेष गतिविधियों के आयोजन के साथ अपने-अपने स्टाल के माध्यम से पुस्तक प्रदर्शनी में विशेष हिस्सेदारी निभा रहे है। इतिहास एवं संस्कृति अकादमी की तरफ से इतिहास के पन्ने पर हरियाणा के सेनानी विषय पर युवाओं के लिए रचनात्मक शिविर आयोजित किया जा रहा है। नेशनल बुक ट्रस्ट एवं एनसीईआरटी द्वारा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए युवा लेखन एवं बाल लेखन शिविर का आयोजन हरियाणा के लिए विशेष उपहार जैसा है। मेले में देश भर से हिन्दी, अंग्रेजी, पंजाबी एवं उर्दू के विभिन्न प्रकाशकों की एक लाख से अधिक शीर्षक की किताबें पंचकूला की धरा पर महकेंगी। मेले में प्रतिदिन उपस्थित समाज से संवाद के लिए प्रतिदिन विषय विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे है। आज की तैयारी बैठक में समीक्षा हेतु एचपीजीसीएल, एचवीपीएनएल, डीएचबीवीएनएल, यूएचबीवीएनएल, संस्कृति विभाग, शिक्षा विभाग, शहरी एवं स्थानीय विकास विभाग एवं एचएसवीपी के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने दायित्वों के निर्वहन की प्रतिबद्धता दोहराई।

हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम ने 436 लाभार्थियों को 368.76 लाख की वित्तीय सहायता मुहैया करवाई

चंडीगढ़, नवम्बर : हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम ने चालू वित्त वर्ष के दौरान सितम्बर, 2024 तक विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 436 लाभार्थियों को 368.76 लाख रुपए की वित्तीय सहायता मुहैया करवाई है, जिसमें 32.01 लाख रुपए की सब्सिडी भी शामिल है।

निगम के प्रवक्ता ने बताया कि निगम द्वारा अनुसूचित जातियों से संबंधित लोगों को विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत ऋण मुहैया करवाया जाता है ताकि वे अपना कारोबार और स्व-रोजगार स्थापित कर सकें। इन श्रेणियों में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र, व्यापार और कारोबार क्षेत्र तथा स्व-रोजगार क्षेत्र शामिल हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की सहायता से लागू योजनाओं के तहत भी उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र के अंतर्गत 227 लाभार्थियों को डेरी फार्मिंग, भेड़ पालन, सूअर पालन और झोटा-बुग्गी के लिए 181.10 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध करवाया गया है। इनमें से 168.62 लाख रुपये बैंक ऋण और 12.48 लाख रुपये सब्सिडी के रूप में जारी किए गए हैं। इसी प्रकार, व्यापार और कारोबार क्षेत्र के अंतर्गत 61 लाभार्थियों को 58.10 लाख रुपये की राशि मुहैया करवाई गई जिसमें से 46.52 लाख रुपये बैंक ऋण, 5.77 लाख रुपये सब्सिडी और 5.81 लाख रुपये मार्जिन मनी के रूप में जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम की सहायता से लागू योजनाओं के तहत इस अवधि के दौरान 17 लाभार्थियों को कुल 17 लाख रुपये जारी किए गए। इसमें राष्ट्रीय अनुसूचित वित्त एवं विकास निगम का प्रत्यक्ष ऋण हिस्सा 5 लाख रुपये और हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम का प्रत्यक्ष हिस्सा 12 लाख रुपये है।

विपुल गोयल ने कार्यकर्ताओं के समर्पण को सराहा

फरीदाबाद में आयोजित स्नेह भोज एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह में लिया जनता की सेवा का संकल्प

फरीदाबाद, नवंबर : फरीदाबाद 89 से विधायक और हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सेक्टर-10 की पुष्प वाटिका में कार्यकर्ताओं के सम्मान में एक भव्य स्नेह भोज और समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर मंडल के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, शक्ति केंद्र प्रमुख, बूथ एजेंट और बूथ समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला नेतृत्व के साथ भाजपा फरीदाबाद जिला अध्यक्ष राज कुमार वोहरा भी मौजूद थे।

विपुल गोयल ने भारी बहुमत से मिली चुनावी जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को देते हुए कहा कि भाजपा में चुनाव एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरा संगठन लड़ता है और जीत का श्रेय भी पूरे संगठन को जाता है। उन्होंने कहा, 'आप सभी के समर्पण और निष्ठा से हमें इस चुनाव में 48,388 वोटों से ऐतिहासिक जीत मिली है, जिसमें 65% से अधिक वोट भाजपा के पक्ष में आए हैं।'

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते विपुल गोयल ने कहा कि जैसे किसी भवन की मजबूती उसकी नींव से होती है, वैसे ही पार्टी की सफलता बूथ स्तर पर हो रहे कार्यों पर निर्भर करती है। उन्होंने बूथ अध्यक्षों, पोलिंग एजेंटों, बूथ समितियों और शक्ति केंद्र प्रमुखों का धन्यवाद करते हुए कहा, 'इस जीत का मूल कारण बूथ स्तर पर की गई आपकी कड़ी मेहनत है, जिसने संगठन को मजबूती दी है। लोकतंत्र में बूथ ही सबसे महत्वपूर्ण इकाई होती है, और जनता जब तक संगठन से नहीं जुड़ती, तब तक जीत सुनिश्चित नहीं होती।' विपुल गोयल ने जोर देकर कहा कि इस जीत में कार्यकर्ताओं और जनता का साथ ही मुख्य आधार रहा है। उन्होंने कहा कि जब चुनाव चल रहा था, तो मैंने कहा था कि जीतने पर हर कार्यकर्ता और जनता जीतेंगे। आज, उस वादे पर खरा उतरते हुए, मैं कैबिनेट मंत्री के रूप में मिली जिम्मेदारी को आप सभी के सहयोग से निभाने का संकल्प लेता हूं।

विपुल गोयल ने कहा, हमें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम करना है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शीर्ष नेतृत्व को यह दिखाना चाहते हैं कि फरीदाबाद में भाजपा का प्रतिनिधित्व जनसेवा के सबसे उच्च मानकों पर खरा उतरेगा। हमें मिलकर ऐसा काम करना है कि अगली बार चुनाव में जनता को हमारे काम पर पूर्ण विश्वास हो। गोयल ने कार्यकर्ताओं को भाजपा के परिवार का हिस्सा मानते हुए उनकी भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विपुल गोयल के इस संकल्प के साथ हुआ कि भाजपा संगठन के सभी कार्यकर्ता जनता की सेवा और विकास की दिशा में मिलकर काम करेंगे, ताकि हरियाणा में भाजपा का जनाधार और मजबूत हो सके।

दक्षिणी दिल्ली में पानी टैंकर की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली, नवंबर : दक्षिणी दिल्ली के सी.आर. पार्क इलाके में शनिवार सुबह सड़क पार करने के दौरान एक तेज रफ्तार पानी टैंकर की चपेट में आने से 40 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि मृतक की पहचान गोविंदपुरी निवासी मुकुंद हाजरा के रूप में हुई है और वह कार की सफाई का काम करता था।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि हाजरा को अस्पताल ले जाया गया है जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

अधिकारी ने कहा कि हाजरा जब अलकनंदा मार्केट के सामने सड़क पार कर रहा था तब ग्रेटर कैलाश की ओर आ रहे एक एक पानी के टैंकर ने उसे टक्कर मार दी। पुलिस ने कहा कि टैंकर चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ केस दर्ज किया।

एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बेलेम, ब्राजील में जी-20 की डीआरआरडब्ल्यूजी की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया

नई दिल्ली, नवंबर : प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 30 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2024 तक बेलेम, ब्राजील में आयोजित जी-20 की आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह (डीआरआरडब्ल्यूजी) की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल की सिक्रय भागीदारी के कारण से आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर पहली मंत्रिस्तरीय घोषणा को अंतिम रूप देने में सर्वसम्मति बनी। डॉ. पी.के. मिश्रा ने विभिन्न मंत्रिस्तरीय सत्रों के दौरान अपनी चर्चा में भारत में आपदा जोखिमों को कम करने और आपदा वित्तपोषण को बढ़ाने में भारत सरकार द्वारा की गई प्रगति को साझा किया।

डॉ. पी.के. मिश्रा ने जी 20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान प्रतिपादित डीआरआरडब्ल्यूजी की पांच प्राथमिकताओं अर्थात प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, आपदा रोधी बुनियादी ढांचा, डीआरआर वित्तपोषण, प्रतिरोधी क्षमतापूर्ण पुनर्वास और प्रकृति आधारित समाधान पर भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने आपदा रोधी बुनियादी ढांचे पर प्रधानमंत्री की आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा गठबंधन (सीडीआरआई) की वैश्विक पहल को साझा किया। इस गठबंधन के अब 40 देश और 7 अंतर्राष्ट्रीय संगठन सदस्य हैं। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने सेंडाई फ्रेमवर्क के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और वैश्विक स्तर पर आपदा से बचाव बढ़ाने के लिए ज्ञान साझा करने, प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और सतत विकास पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के मंत्रियों के साथ ट्रोइका बैठक में भी भाग लिया और मेजबान देश ब्राजील और अन्य देशों जापान, नॉर्वे, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, जर्मनी के मंत्रियों और आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने अत्यधिक गर्मी पर यूएनएसजी के आह्वान पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पारंपरिक प्रथाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान देने सहित उठाए जा रहे कदमों और अनुभव को साझा किया।

2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत की पहल पर पहले डीआरआरडब्ल्यूजी का गठन किया गया था। डॉ. मिश्रा ने डीआरआरडब्ल्यूजी को जारी रखने और इसे मंत्री स्तर तक बढ़ाने पर ब्राजील की अध्यक्षता पर बधाई दी और दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष जी 20 की अध्यक्षता में डीआरआरडब्ल्यूजी पर भारत के समर्थन की पुष्टि की।

भारत की भागीदारी वैश्विक डीआरआर प्रयासों में इसकी बढ़ती भूमिका और एक सुरिक्षत और अधिक आपदा रोधी विश्व के निर्माण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

किसी भी समाज के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए शिक्षा सबसे अहम : रणबीर गंगवा

जिले भर में भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई

हिसार, नवंबर : लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि किसी भी समाज के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए शिक्षा सबसे अहम है। जिस समाज के लोग ज्यादा शिक्षित होंगे वह समाज उतना ही आगे बढ़ेगा, इसलिए युवाओं का शिक्षित व काबिल होना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

वे शनिवार को बरवाला स्थित श्री विश्वकर्मा जांगिड़ ब्राह्मण सभा के सहयोग से श्री विश्वकर्मा दिवस पर आयोजित समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में भगवान विश्वकर्मा को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा किसी एक जाति से संबंधित नहीं है। सुई से जहाज व झोपड़ी से महल का निर्माण करने वाले हाथ के सभी कारीगर भगवान विश्वकर्मा के वंशज हैं। गंगवा ने कहा कि वर्तमान समय के मशीनी युग में हाथ का कार्य करने वाले लोगों के लिए पढ़ाई बेहद जरूरी हो गई है, इसलिए समाज के अग्रणी नागरिक शिक्षा पर जोर दें। वर्तमान राज्य सरकार ने पारदर्शिता के आधार पर नौकरियां प्रदान कर सर्व समाज के काबिल बच्चों के लिए आगे बढ़ने के द्वार खोले हैं। गरीब व पिछड़े समाज के परिवारों के बच्चे भी अपनी मेहनत के दम पर हरियाणा सिविल सेवा व अन्य उच्च पदों पर आसीन हुए हैं। उन्होंने समाज के ऊंचे पदों पर आसीन अधिकारियों से भी आह्वान किया कि वे अपने समाज के बच्चों को पढ़ा लिखा कर आगे बढ़ाने की जिम्मेवारी ले, इसी से समाज का पिछड़ापन दूर होगा। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि आदिकाल में जब सृष्टि का निर्माण हो रहा था, तब मानव जाति को लिपि ज्ञान से लेकर शिल्प ज्ञान देने का कार्य देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने ही किया था। उन्होंने जीवन जीने की भी कला सिखाई है। राष्ट्र निर्माण में विश्वकर्मा समाज की अहम भूमिका रही है। हमें शिल्प कला और तकनीकी कौशल भगवान विश्वकर्मा से मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए श्रमिकों और श्रम को सर्वोपरि रखा है। भाजपा ने समाज के उपेक्षित वर्ग, जातियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा एवं राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा।

इस अवसर पर समस्त जांगड़ा समाज की ओर से लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा एवं राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा को पगड़ी भेंट की गई। समारोह का शुभारंभ भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलन कर किया गया। समारोह उपरांत लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने शुक्रवार रात श्री दुर्गा इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में हुई आगजनी की घटना का भी मौका मुआयना किया।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, रणधीर सिंह धीरू, बरवाला नगर पालिका अध्यक्ष रमेश बैटरी वाला, प्रधान प्रताप जांगड़ा, उप प्रधान हवा सिंह जांगड़ा, महासचिव दयानंद जांगड़ा, सह सचिव चत्तर सिंह जांगड़ा, कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह जांगड़ा, सीताराम जांगड़ा, सुरजीत जांगड़ा, रामचंद्र जांगड़ा, रोशन लाल जांगड़ा, लक्ष्मण जांगड़ा, परमजीत विरदी सहित अनेकों नागरिक उपस्थित रहे।

पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने विभिन्न गांवों का दौरा कर जनता का किया धन्यवाद

जन कल्याण व प्रदेश उत्थान हेतु समर्पित रहेगी भाजपा सरकार : कृष्ण बेदी

कुरुक्षेत्र, नवंबर : हरियाणा सरकार में सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी को पार्टी के पदाधिकारियों समेत सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनके निवास पर दिवाली, विश्वकर्मा दिवस, छठ पूजा की शुभकामनाएं भेंट की। कृष्ण बेदी ने सभी शुभचिंतकों का आभार जताते हुए कहा कि त्यौहार लोगों के जीवन में उत्साह का संचार करते हैं क्योंकि त्यौहारों से समाज के सभी वर्गों का हृदय से गहरा लगाव होता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी के 24 हजार युवाओं को नौकरी देने से उन परिवारों ने सही अर्थों में आर्थिक आजादी वाली दिवाली मनाई है। कृष्ण बेदी ने कहा भाजपा के राज में जनता अगले पांच वर्षों तक लगातार दिवाली वाले त्यौहारी रंग में रंगी रहेगी क्योंकि प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार जन कल्याण और प्रदेश के उत्थान हेतु समर्पित रहेगी। इस अवसर पर मंत्री की धर्मपत्नी शांति देवी को भी सभी ने बधाई दी। शुभ कामनाएं भेंट करने वालों में मुख्यतः परमजीत कौर, डा. मनीश कुकरेजा, कंवलजीत कौर, अमन, वंदना, अनिल वर्मा शामिल रहे।

सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी को शुभकामनाएं देते कार्यकर्ता।

रिफाइनरी में क्षेत्र के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा दिया जाएगा रोजगार : कृष्ण पंवार

हलके के गांवों का धन्यवादी दौरे के दौरान मंचासीन पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार व अन्य ।

इसराना, नवंबर : प्रदेश के पंचायत एवं विकास तथा खनन, भूविज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने आज इसराना हलके के विभिन्न गांवों में धन्यवादी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने थिराना, खंडरा, शेरा, बाल जाटान, धर्मगढ़, रेरकलां, सिंघपूरा,सीठाना,बोहली व शोदापुर गांव का दौरा किया। उन्होंने उक्त सभी गांवों में ग्रामीणों के बीच पहुंच कर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने पर धन्यवाद किया और उनकी समस्याएं भी सुनी। कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि आमजन की समस्याओं का पिछले दस वर्षों की तरह प्राथमिकता से निस्तारण किया जायेगा। जिसके लिए भाजपा की सरकार शुरूआत से ही संकल्पबद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि समस्त जनता के लिए उनके द्वार 24 घंटे खुले मिलेंगे। प्रदेश के पंचायत मंत्री के नाते वे किसी भी गांव में विकास कार्यों में कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रदेश सहित इसराना हल्के के सभी गांवों में समान भावना से तेजी के साथ विकास कार्य करवाएं जायेंगे। कृष्ण पंवार ने कहा कि पूरा इसराना हलका उनका परिवार है। मैं पहले की तरह हमेशा सेवक के रूप में काम करूंगा। भाजपा की केन्द्र व प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में समान भावना से विकास कार्य कर रही है। वहीं बिना पर्ची बिना खर्ची के योग्य युवाओं को नौकरियां देकर प्रदेश सरकार ने नई मिसाल कायम की है। हरियाणा प्रदेश विकास की दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से व मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में और आगे बढ़ने का काम करेगा। धन्यवादी दौरे के दौरान बाल जाटान गांव के सरपंच सुरेन्द्र राठी ने रिफाइनरी में आस पास के क्षेत्र के गांवों में योग्य युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार देने की मांग रखी। जिस पर पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि रिफाइनरी में आसपास के क्षेत्र के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार दिया जाएगा। इसके लिए वह रिफाइनरी के अधिकारियों से जल्द ही बात करेंगे। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश के हर गांव में सैल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं को ग्राम पंचायतों के सहयोग से लखपति बनाने पर विभाग काम करेगा, जिसके लिए प्रदेश सरकार महिलाओं को आत्म निर्भर बनाकर स्वयं को सशक्त बनाने पर जोर देगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ड्रोन दीदी योजना के माध्यम से भी महिलाओं को लखपति बना रही है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर ग्राम पंचायतों का सहयोग लिया जाएगा। भाजपा की केन्द्र व प्रदेश सरकार शुरुआत से महिला सशक्तिकरण को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है। जिसके तहत पंचायत चुनावों में भी भाजपा की सरकार ने ही महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है।

प्रदेश के एक हजार गांवों में खोले जाएंगे महिला सांस्कृतिक केंद्र : कृष्ण लाल पंवार

सोनीपत, नवम्बर : सोनीपत में कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि पंचायत विभाग का रिव्यू कर तय किया है कि प्रथम चरण में प्रदेश के एक हजार गांवों में महिला सांस्कृतिक केंद्र खोलेंगे, जिसमें महिलाएं एक स्थान पर बैठकर भजन कीर्तन कर सकें। सरकार एक हजार गांवों में ई-पुस्तकालय खोलने जा रही है। जिसका युवाओं को फायदा मिलेगा। कृष्ण लाल पंवार शनिवार को गोहाना रोड बाईपास स्थित जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा के कार्यालय पर पहुंचे और कार्यकताओं से मुलाकात की। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश में तीसरी बार मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनी है। भाजपा ने अपने मैनिफेस्टों में जो वादे किए हैं, उन्हें सौ फीसदी पूरा करेंगे। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने कहा था कि 04 जून को रिजल्ट आएगा तो पूरे देश की महिलाओं के खातों में 8500 रुपये आने की खटाखट खटाखट की आवाज आएगी, आज तक तो आई नहीं। कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हमने प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के खाते में 2100 रुपये भेजने का वादा किया है, निश्चित तौर पर पैसा भेजने का काम करेंगे। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण पर उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार एनजीटी की गाइडलाइन के अनुसार कार्य कर रही है। किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक किया है। पानीपत रिफाइनरी में रोजाना एक लाख लीटर एथनॉल तैयार किया जा रहा है, जिसमें किसानों की पराली खरीदी जा रही है। चुनाव में गोहाना की जलेबी की चर्चाओं पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इसका श्रेय हम राहुल गांधी को देते हैं, जिन्होंने जलेबी की फैक्टरी लगवाई थी। दो घंटे वह फैक्टरी चली थी, सवा 10 बजे फैक्टरी बंद हो गई थी। कृष्ण लाल पंवार के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा व अन्य मौजूद रहे।

पत्रकारों से मुखातिब होते कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार एवं अन्य।

संक्षिप्त समाचार

किशोरी समेत दो ने फांसी लगाई

बांदा। अलग-अलग स्थानों पर किशोरी समेत दो लोगो ने फंदा लगाकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। तिंदवारी थाना क्षेत्र के जौहरपुर गांव निवासी 17 वर्षीय पूनम पुत्री कालका प्रसाद ने शुक्रवार की रात घरवालो ने डांट दिया। इसी से नाराज होकर कमरे के अंदर दुपट्टा से फांसी लगा लिया। मौके पर पहुंचे परिजनो ने फंदा काट कर उसे नीचे उतार लिया। इसी तरह देहात कोतवाली क्षेत्र के चटचटगन गांव निवासी 22 वर्षीय राहुल पुत्र विजय ने शुक्रवार की रात किसी बात से नाराज होकर कमरे के अंदर रस्सी से फंदा लगा लिया। काफी देर बाद मौके पर पहुंचे परिजनो ने फंदा काट कर उसे नीचे उतार लिया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

तीन लोगों ने जहर खाया

बांदा। देहात कोतवाली क्षेत्र के पचनेही गांव निवासी 22 वर्षीय वीरेद्र पुत्र कारेलाल ने शुक्रवार की रात किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। देहात कोतवाली क्षेत्र के छेहराव गांव निवासी 22 वर्षीय आरती पुत्री चुन्नू ने किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। पैलानी थाना क्षेत्र के खप्टिहा कला गांव निवासी 25 वर्षीय नीलम पत्नी घनश्याम ने शुक्रवार की रात जहरीला पदार्थ खा लिया। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

फंदे से लटकता मिला युवक का शव

बांदा। गिरवां थाना क्षेत्र के खुरहंड गांव निवासी 38 वर्षीय रामकिशुन पुत्र दयाराम सोनी शुक्रवार की सुबह करीब साढे पांच बजे घर से चला गया था। देर तक घर नही पहुंचा तो परिजनो ने उसकी खोजबीन किया। करीब चार घंटे बाद खेत पहुंचे परिजनो ने देखा तो उसका शव खेत में लगे आम के पेड़ पर फंदे से लटक रहा था। शव देखते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के बड़े रामशरण ने बताया कि रामकिशुन पेशे से ड्राइवर था। आरोप लगाया कि कुछ लोग उसे घर से लिवा ले गए। जहरीला पदार्थ पिला दिया। मौत होने के बाद फंदे पर लटका कर फरार हो गए। मृतक चार भाईयो में छोटा था। उसकी शादी नही हुई थी। उधर पुलिस का कहना है कि रामकिशुन नशे का आदी था। नशे में पडोसियो को गाली गलौज भी करता था। नशे की झोक में उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत, हत्या का आरोप

बांदा। शहर कोतवाली क्षेत्र के क्योटरा मोहल्ला निवासी 52 वर्षीय कल्लू निषाद पुत्र लाली निषाद गुरुवार की रात पैदल घर जा रहा था। तभी सामने से आ रहे वाहन ने उसे टक्कर मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को सूचना पाकर परिजन अस्पताल पहुंच गए। मृतक के भतीजे लवकुश निषाद ने बताया कि कल्लू और बबलू दो भाई हैं। उनके हिस्से में 11-11 बीघा जमीन थी। 2008 में 7 बीघा जमीन कल्लू ने बेच डाली थी। चार बीघा जमीन पर पड़ोसी ने कब्जा कर लिया था। इसका मुकदमा भी बिचाराधीन है। 4 नवंबर को डीएम के न्यायालय में तारीख थी। आशंका है की तारीख में ना पहुंच पाए इसके चलते कल्लू की हत्या कर दी। उसके सिर पर और कमर के नीचे चोट के निशान थे। मृतक अपने पीछे तीन बेटे छोड़ गया है। परिवारीजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार राबिता कमिटी द्वारा वक्फ संपत्तियों को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला पटना में किया।

बिहार के सभी जिलों से लोगो ने भाग लिया, अपनी अपनी राय भी दी

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पटना। बिहार राबिता कमिटी द्वारा रविवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पटना रेलवे जंक्शन के निकट स्थित होटल सिटी सेंटर के दरबार हाल में किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय राज्य में भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग बिहार सरकार के जरिए जमीनों का स्पेशल सर्वे का काम अगस्त 2024 से जारी है। जिसमें निजी जमीनों के साथ साथ वक्फ जायदादों और धार्मिक न्यास के अंतर्गत आने वाले जमीनों जैसे मस्जिद, कब्रिस्तान, ईदगाह, यतिमखाना, मदरसा, मंदिर श्मशान, चर्च, गुरुद्वारा वगैरह का भी सर्वे किया जाना है। जिसमें निजी जायदादों के साथ साथ वक्फ और धार्मिक न्यासों की परिसंपत्तियों का भी सही-सही सर्वे

कराया जा सके ताकि भविष्य में कोई विवाद का जरिया नहीं बने। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात सर्जन डा अहमद अब्दुल हई ने की तथा संचालन अफजल हुसैन सचिव, बिहार राबिता कमिटी ने किया। बिहार राबिता कमिटी की अध्यक्षा फरहत हसन ने कार्यक्रम के थीम के बारे में तपशील से सदन में पेश किया। कार्यक्रम में बिहार के तकरीबन सभी जिलों से बिहार राबिता कमिटी के जिम्मेदार, बिहार राज्य वक्फ बोर्ड के पदाधिकारी, सदस्य, लीड मदरसा के हेड मुदर्रिसीन तथा सामाजिक कार्यकर्ता ने शिरकत की। डा0 जमशेद असरफ, बेगूसराय, डा0 तबरेज अजीज, मोतीहारी, सत्यनारायण मदन, नुरुल्लाह अंसारी वगैरह ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। तथा सोलह जिलों में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने का कार्यक्रम निर्धारित भी किया गया। सर्वे कार्यक्रम को अधिक धारदार बनाने के लिए विशेषज्ञों की राज्य स्तरीय कोर कमेटी का गठन भी किया गया। अन्त में डा जरीन रहमान, अध्यक्षा बिहार राबिता कमिटी, महिला प्रकोष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उक्त अवसर पर बिहार राज्य के बेतिया, मोतिहारी, दरभंगा, पटना सहित सभी जिलों से राबिता कमिटी के अधिकारी व सदस्य भी शामिल रहे साथ उक्त विषय पर आधा दर्जन स्पेशल वक्ताओं ने सर्वे पर तरह तरह से राय भी दी।

स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक बेतिया हुआ।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क) बेतिया। बेतिया स्थित संत कोलंबस हाई स्कूल के कैम्पस में रविवार को प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक हुई। इस बैठक का संचालन जिला सचिव अब्दुल्लाह उर्फ अरशद सरहदी ने किया। बैठक में जिला के कोने-कोने से क्यू आर कोड से वंचित निजी स्कूलों के संचालक उपस्थित रहे। डीईओ कार्यालय से एपीओ श्री नरेंद्र जी ने बैठक को संबोधित किया। नौतन प्रखण्ड कोषाध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह, बैरिया कोषाध्यक्ष सद्दाम हुसैन, बगहा से शशि भूषण सिंह सहित सभी प्रखंडों की प्रखण्ड कमेटी के सदस्य बैठक में शामिल रहे। जिला सचिव अबदुल्लाह उर्फ अरशद सरहदी ने कहा कि हम सभी को नियमित रूप से यू डायस भरना होगा और ई शिक्षा कोष पर सभी बच्चों की एंट्री करनी होगी। हम सभी सरकारी आदेशों का पालन करने के लिए बाध्य हैं। जिन स्कूलों के पास कम से कम पांच पक्का कमरे हैं उन्हें क्यू आर कोड दिलाने के लिए एसोसिएशन पूरी ईमानदारी से कोशिश करेगा साथ ही यू डायस और ई शिक्षा कोष पर बच्चों की एंट्री करने वाले सभी स्कूलों को बचाने की कोशिश करेगा। बैठक की अध्यक्षता मो नुरैन खान ने किया है।

बाल अधिकारों एवं महिला सशक्तिकरण की प्रवर्तक महान समाज सुधारक स्वतंत्रता सेनानी अन्नपूर्णा महाराणा की जन्म दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

चंपारण। सत्याग्रह भवन में बाल अधिकारों एवं महिला सशक्तिकरण की प्रवर्तक महान समाज सुधारक स्वतंत्रता सेनानी अन्नापूर्णा महाराणा के जन्म दिवस पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पीस एम्बेसडर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डा एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक, डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया ने संयुक्त रूप से पौधारोपण करते हुए कहां कि आज ही के दिन 3 नवम्बर 1917 को ओडिशा में उनका जन्म हुआ था। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इन्होंने चौदह वर्ष की उम्र से ही स्वतंत्रता के लिए सक्रिय रूप से प्रचार करना आरंभ कर दिया था, महात्मा गांधी के साथ रहकर उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1934 में, वह महात्मा गांधी के पुरी से भद्रक तक के "हरिजन पड़ा यात्रा" रैली में ओडिशा से जुड़ गईं। अगस्त 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन, सविनय अवज्ञा अभियान सहित विभिन्न आंदोलनों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 15 अगस्त 1947स्वतंत्रता के बाद, महाराणा ने भारत में महिलाओं एवं बच्चों की ओर से आवाज बनी। उन्होंने बाल अधिकारों एवं महिला सशक्तिकरण पर विशेष रूप से काम किया।उन्होंने क्षेत्र की जनजातीय आबादी के बच्चों के लिए ओडिशा के रायगडा जिले में एक स्कूल खोला। महाराणा, विनोबा भावे द्वारा शुरू किया गये भूदान आन्दोलन, या भूमि उपहार आंदोलन का भी हिस्सा बनी। उन्होंने चंबल घाटी के सक्रिय डकैतो को मुख्य धारा में लौटने के लिए अभियान चलाया। जिसमें उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से चंबल घाटी में अनेक डाकुओं ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख धारा में सम्मिलित होने का निर्णय लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आपातकाल के दौरान उन्होंने रामदेवी चौधरी के ग्राम सेवा प्रेस द्वारा प्रकाशित अखबार की मदद से भ्रष्टाचार महंगाई बेरोजगारी एवं सरकार के नीतियों का विरोध किया । सरकार द्वारा समाचार पत्र पर प्रतिबंध लगा कर रामदेवी चौधरी एवं उड़ीसा के अन्य नेताओं जैसे नाबक्रुश्ना चौधरी, हरिकेष्णा महाबत, मनमोहन चौधरी, जयकृष्ण मोहंती और अन्य के साथ उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

किसान ने खुद को गोली से उड़ाया

■ बांदा

किसान ने ट्यूवबेल में तमंचे से सीने में सटा कर खुद को गोली मार कर खुदकुशी कर लिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चिल्ला थाना क्षेत्र के बिछवाही गांव निवासी 52 वर्षीय नंदलाल सिंह उर्फ पप्पू पुत्र शिरोमणि शनिवार की सुबह घर से शौच के बहाने निकल गया। खेत में बने ट्यूबवेल के पास 315 बोर के तमंचे से सीने में सटाकर गोली मार ली। वह लहूलुहान होकर वही गिर पड़ा। आवाज सुनकर नजदीक में काम कर रहा पुत्र विकास, और बलदेव कुटार मौके पर पहुंच गए। जब तक उसे उठाया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक के पुत्र की सूचना पर थानाध्यक्ष चिल्ला कृष्णदेव त्रिपाठी फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुत्र विकास ने बताया कि उसका पिता नशे का आदी था। वह सुबह से ही शराब के नशे में था। मृतक नंदलाल के दो भाइयों की पहले मौत हो चुकी है। मृतक के पुत्र विकास ने बताया कि उसका पिता किसानी करता था। उसके पास 10 बीघा जमीन थी। नशे में जमीन और घर बेच डाला। मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता है। थानाध्यक्ष चिल्ला कृष्णदेव त्रिपाठी ने बताया कि मृतक नशे का आदी था। इसी के चलते उसने यह घटना अंजाम दी। इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पति की डांट से नाराज पत्नी ने जहर खाकर की खुदकुशी

बांदा। पति से नाराज पत्नी ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर लिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गिरवां थाना क्षेत्र के सौंता स्यो?ा निवासी 54 वर्षीय राजकुमारी पत्नी राजेंद्र कुमार ने गुरुवार की शाम जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर पति को जानकारी हुई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया । जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनो में कोहराम मच गया। मृतका के पति ने बताया कि वह बड़ी बेटी सावित्री की ससुराल निजामत पुरवा में मकान बना रहा था। शुक्रवार को छोटी बेटी पार्वती का रिश्ता पक्का करने के लिए मेहमानों को आना था। राजकुमारी पूरे घर में कपड़े फैलाए हुए थी। इस पर उसने पत्नी से कपड़े समेटने को कहा और डांट दिया। इसी से नाराज होकर राजकुमारी ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली। मृतका अपने पीछे चार बेटी दो बेटे छोड़ गई है।

बेडशीट से फंदा लगाकर युवक ने कर ली खुदकुशी

बांदा। युवक ने कमरे के अंदर छत के छल्ले पर रस्सी से फांसी लगा कर खुदकुशी कर लिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकरंपचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तिंदवारी थाना क्षेत्र के गोखरही गांव निवासी 23 वर्षीय सोमदत्त तिवारी उर्फ अंकुल पुत्र जयध्वज तिवारी ने कमरे के अंदर छत के छल्ले पर बेड शीट से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। काफी देर बाद जब वह कमरे से बाहर नही निकला तो मौके पर पहुंचे परिजनो ने शव देखा तो चीख पड़े। शोर सुनकर आस पास के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक तीन भाइयो में छोटा था। मजदूरी करता था। घटना का कारण अज्ञात है। थानाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

सड़क हादसों में किसान समेत तीन की मौत

बांदा। साइकिल लेकर खेत से घर जा रहे किसान को बाइक ने टक्कर मार दी, इससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक आनियंत्रित होकर गिर पड़ी, इससे बाइक सवार दो लोगो की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शव का का पोस्टमार्टम कराया है।

गिरवां थाना क्षेत्र के मुरवां गांव निवासी 55 वर्षीय बाले पुत्र मोहन गुरुवार की रात खेत से साइकिल लेकर घर जा रहा था। तभी सामने से आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गया। हादसे के बाद तेज रफ्तार बाइक आनियंत्रित होकर गिर पड़ी। जिसमें बाइक सवार छतरपुर जिले के रामपुर गांव निवासी 27 वर्षीय बाइक चालक शिव गोपाल पुत्र राजा भइया, 26 वर्षीय चचेरा भाई दुर्जन पुत्र लोटन 28 वर्षीय मौसियां रतनलाल पुत्र लोटन घायल हो गए । सभी घायलो को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने बाले और शिवगोपाल को मृत घोषित कर दिया। रतन लाल को गंभीर हालत में कानपुर रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान रतन लाल ने भी दम कानपुर में तोड़ दिया। मृतक बाले के छोटे भाई छोटेलाल ने बताया कि बालें बटई में खेत लेकर किसानी करता था। उसके दो बेटी दो बेटे हैं। अचानक हुई इस घटना से पत्नी बृजरानी का रो रो का बुरा हाल हो गया। वही मृतक शिव गोपाल के बड़े भाई रामकृपाल ने बताया कि शिव गोपाल ट्रैक्टर चलाता था। वह 6 भाइयों में तीसरे नंबर का था। मृतक अपने पीछे पत्नी कला देवी के अलावा दो बेटी दो बेटे छोड़ गया है। उधर रतनलाल मजदूरी करता था। उसके वह पहने पीछे पत्नी सुम्मी के अलावा दो बेटी तीन बेटे छोड़ गया है।

गश खाकर गिरा युवक, मौत

बबेरू। कोतवाली क्षेत्र के तराया गांव निवासी 56 वर्षीय राजेश पुत्र महरजवा शुक्रवार की शाम अपने घर के बाहर बैठा था। इसी बीच मौनिया आ गए और दीवारी खेलने लगे। राजेश भी उनके साथ दीवारी खेलने लगा। इसी बीच चक्कर खा कर वह गिर पड़ा। परिजनो ने उसे उठाकर सीएचसी बबेरू में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरो ने देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भतीजा नारोत्तम ने बताया कि वह किसानी करता था। उसके पास दो बीघा जमीन है। मृतक अपने पीछे पत्नी राजाबेटी के अलावा तीन पुत्र तीन पुत्रिया छोड़ गया है।

संघ पदाधिकारियों ने समाचार पत्र वितरिकों को किया सम्मानित

60 वर्ष से अधिक के समाचार पत्र वितरकों को पेंशन दिए जाने की मांग

■ बांदा

समाचार पत्र वितरक संघ ने दीपावली के मौके पर सभी समाचार पत्र वितरक साथियों को सम्मानित किया और मिठाई का वितरण किया। पदाधिकारियों ने कहा कि 60 वर्ष से अधिक उम्र के समाचार पत्र वितरक साथियों को शासन की ओर से पेंशन लागू की जाए। ताकि उनके परिवार का भरण पोषण हो सके।

सम्मान समारोह में संघ पदाधिकारियों ने 86 वर्ष के नंदकिशोर शिवहरे के साथ ही वरिष्ठ वितरक मलखान को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। साथ में सभी वितरक साथियों को फूलमाला पहनकर सम्मानित किया गया और मिठाई भी वितरित की गई। समाचार पत्र विक्रेता संघ जिला अध्यक्ष महेश कुमार प्रजापति ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी वितरक साथियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि हमारे सभी वितरक साथी का सभी के बराबर सम्मान होना चाहिए, क्योंकि वितरक मौसम चाहे किसी प्रकार का भी हो, लेकिन वितरक हर घर में अखबार पहुंचने कार्यकर्ता है, जिसमें भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को वितरक साथियों को किसी उचित सम्मान दर्जा देना चाहिए, ताकि समाज में उनकी पहचान मिल सके।

संरक्षक राजकुमार गुप्ता ने बताया कि अखबार वितरक बेहद गरीब परिवार से होता है, उनका सहयोग उत्तर प्रदेश सरकार को करना चाहिए जो वितरक 60 वर्ष से ऊपर हैं, उनको सरकार के द्वारा पेंशन लागू करना चाहिए, जिससे वितरक साथी परिवार को सहयोग मिल सके और उनके स्वास्थ्य कभी पूर्ण रूप से देख कर सकें। इस मौके में उपस्थित संरक्षक राजकुमार गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष महेश कुमार धुरीया, जिला उपाध्यक्ष गोपी कृष्ण ओमर, मोहित ओमर, मलखान कबीर, शेखर, नंदकिशोर शिवहरे, सुनील कुमार, सखावत, कमल अवस्थी, महेश प्रजापति, अंकुश प्रजापति समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

गोवर्धन पूजा पर गौशाला मे कार्यक्रम संपन्न

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अध्यक्ष को ऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल की उपस्थिति में गोवर्धन पूजा पर विकासखंड कर्वी के कसहाई गौशाला का निरीक्षण कर पूजा अर्चन किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा गौमाता का पूजन किया गया तथा गौपूजन के पश्चात गोवंश संरक्षण एवं गौसंवर्धन के प्रति शपथ दिलाई गई और गोवंशो को गुड़, केला तथा हरा चारा खिलाया गया। जिलाधिकारी द्वारा गौशाला में व्यवस्थाएं देखी गई गौशाला में व्यवस्था में सुधार को प्रधान, सचिव एवं पशु चिकित्सक को निर्देशित किया कि गौ संरक्षण में किसी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए एवं गोवंशों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, समय से भूसा, चारा इत्यादि खिलाने हेतु निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान गौशाला में 417 गोवंश पाए गए बायोगैस प्लांट एवं वर्मी कंपोस्ट का भी निरीक्षण किया।

इस मौके डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह व ग्राम प्रधान व सचिव उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं को डीएम ने बांटा प्रसाद

चित्रकूट। दीपावली अमावस्या मेला पर रामघाट पर प्रशासन द्वारा आयोजित भंडारा में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ तनुसा टी आर ने शिव मंदिर में पूजन अर्चन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि दीपावली अमावस्या मेला में उत्तर प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा के साथ कराया जा रहा है। मेले में आए हुए श्रद्धालुओं एवं स्थानीय आम जनमानस को दीपावली अमावस्या मेला के शुभकामनाएं दी।

दीपावली पर्व : द्वापर युग की परम्परा को आज भी कायम किए है बुंदेली

महोबा में मनी 'लट्ठमार दिवाली', ढोलक की थाप पर युद्ध कला का अनोखा प्रदर्शन

■ महोबा

दीपावली का त्योहार जहां देश में धूमधाम के साथ मनाया जाता है, वहीं बुंदेलखंड के साथ साथ जिले में कई दिनों तक चलने वाले इस पर्व पर द्वापर युग से चली आ रही लठमार दिवाली की परंपरा को बुंदेली आज भी निभाते चले आ रहे हैं। जिले में जगह जगह लट्ठमार दिवारी खेलने वाले रंगबिरंगी पोशाक और हाथों में लाठी लिए सड़कों पर नजर आए और अपनी लट्ठबाजी के जरिए उपथित लोगों का खूब मनोरंजन किया। ढोलक की थाप पर न केवल युवा बल्कि बुजुर्ग और बच्चे अपनी इस अनूठी परम्परा में अपनी कला का प्रदर्शन करते रहे।

बुंदेलखंड के वीर अपनी बहादुरी और वीरता के जाने जाते है और इसी को देखते हुए दीपावली त्योहार में वर्षों से चली आ रही लट्ठमार दिवारी खेलने की परम्परा को आज भी बुंदेले जीवांत किए हुए है। दिवारी खेलने वाले नीले, पीले, लाल रंगों अतरंगी पोशाक धारण कर हाथों में लाठी लिए दिवारी लोक नृत्य का प्रदर्शन करते हैं तो ऐसा लगता है कि बुंदेली सभ्यता को आज भी बुंदेलखंडी जीवांत किए हुए हैं। लट्ठमार दिवारी नृत्य में अनूठी परम्परा में युद्ध कौशल से रूबरू कराते हुए सभी वर्ग के प्रशिक्षित लोग प्रतिभाग करते हैं और बुंदेलखण्ड के कस्बों, गांवों में दिवारी लोक नृत्य से लोगों का मनोरंजन करते हैं।

दिवारी लोक नृत्य बुंदेलखंड और जिले में एक अलग पहचान बनाए हुए है। दीपावली पर्व से पूर्व और कई दिनों बाद तक गांव, कस्बों के अलावा धार्मिक व सार्वजनिक स्थानों पर हाथों में लाठियां और रंगबिरंगी पोशाक पहने घूमती टोलियां एक दूसरे से ढोलक की थाप पर एक दूसरे पर प्रहार कर लड़ते नजर आते हैं तो वहीं लट्ठमार टोलियों के मुखिया व अन्य सदस्य दिवारी गायन से दिवारी नृत्य का प्रदर्शन करने वालों में जोश भरते हैं। इस दिवारी लोक नृत्य में आपसी भाईचारे की झलक भी देखने को मिली है। अकरम खान बताते हैं कि वह आठ साल की उम्र से ही अपने उस्ताद लखनलाल यादव से इस कला को सीख टोली में शामिल हुए और वर्षों से चली आ रही परम्परा को निभाते चले आ रहे हैं।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

सार संक्षेप

59 वर्ष के हुए अभिनेता शाहरूख खान

मुंबईः बॉलीवुड के किग खान शाहरुख खान शनिवार को 59 वर्ष के हो गए हैं। 2 नवंबर 1965 को दिल्ली में जन्में शाहरुख खान के पिता ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े हुए थे। अभिनय से जुड़ने और संचार की विभिन्न विधाओं को नजदीक से समझने के लिए शाहरूख ने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि ग्रहण की। वर्ष 1988 में शाहरूख खान ने बतौर अभिनेता छोटे पर्दे के धारावाहिक फौजी से अपने कैरियर की शुरूआत की। वर्ष 1991 में अपने सपनों को साकार करने के लिए शाहरुख मुंबई आ गए। अजीज मिर्जा ने शाहरुख खान की प्रतिभा को पहचान कर उन्हें अपने धारावाहिक सर्कस में काम करने का मौका दे दिया। उन्हीं दिनों हेमा मालिनी को अपनी फिल्म दिल आशना है के लिए दिव्या भारती के अपोजिट नए चेहरे की तलाश थी। शाहरूख खान को जब इस बात का पता चला तो वह अपने दोस्तों की मदद से इस फिल्म के लिए स्क्रीन टेस्ट देने के लिए गये और चुन लिए गए।

वैन और ट्रक ट्रेलर की टक्कर में छह की मौत, पांच गंभीर रूप से घायल

भुवनेश्वरः ओडिशा में सुंदरगढ़ जिले के गायकनापल्ली गांव के पास एमसीएल-टापोरिया मार्ग पर शनिवार तड़के एक वैन के खड़ी ट्रक ट्रेलर से टकराने से छह लोगों की मौत हो गयी और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कांडागोड़ा और समरपिंडा गांवों के करीब दस लोग कीर्तन समारोह में शामिल होने के बाद वैन में सवार होकर घर लौट रहे थे। कोहरा छाये रहने से दृश्यता कम होने के कारण संभवतः वैन का चालक सड़क के किनारे खड़ी ट्रेलर को नहीं देख पाया। दुर्घटना में सभी छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी तथा घायलों को हेमगिरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पायी है।

जनप्रतिनिधि गरीबों की मदद के लिए आगे आएं : देवनानी

अजमेरः राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदों का आह्वान किया है कि वे गरीबों की मदद के लिए आगे आएं। अजमेर में देवनानी ने शनिवार को एक महिला सफाईकर्मी लता की दो बेटियों की आगामी 13 नवम्बर को होने वाले विवाह के लिये वार्ड पांच के पार्षद, एडवोकेट अजय वर्मा की ओर से आर्थिक मदद का एक लाख रुपये का चेक सौंपा। उन्होंने पार्षद वर्मा के प्रयासों की सराहना की और कहा कि जिस तरह उन्होंने एक साल के अपने मानदेय को सफाई महिला कर्मी को देकर अनुकरणीय काम किया है। इससे सभी जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदों को प्रेरणा लेकर आगे आना चाहिये और गरीबों की मदद कर, उनका सहयोग करना चाहिये।

'बाप' ने देवली-उनियारा में निर्दलीय नरेश मीणा को दिया अपना समर्थन

जयपुरः राजस्थान में भारत आदिवासी पार्टी (बाप) ने आगामी तेरह नवंबर को होने वाले देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को अपना समर्थन दिया है। बाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन लाल रोत ने मीणा को लिखे समर्थन पत्र में कहा कि बाप पार्टी देवली उनियारा से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे नरेश मीणा का समर्थन करती हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आप आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, किसानों, नौजवानों की आवाज़ को बुलंद करेंगे। उल्लेखनीय है कि उपचुनाव में कांग्रेस बागी नरेश मीणा को टिकट नहीं मिलने पर वह निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर गये।

भारतीय कंपनियों ने नहीं किया कानून का उल्लंघन : विदेश मंत्रालय

नई दिल्लीः भारत ने अमेरिका द्वारा भारत की 19 कंपनियों पर रूस को प्रतिबंधित सामग्री के निर्यात के आरोप में प्रतिबंध लगाये जाने पर आज स्पष्ट किया कि भारतीय कंपनियों ने किसी कानून का उल्लंघन नहीं किया है और भारतीय अधिकारी इस मुददे पर अमेरिकी अधिकारियों से बात कर रहे हैं।

कांग्रेस पर प्रधानमंत्री मोदी के आरोप निराधार एवं असत्य : प्रियंका गांधी

● नई दिल्ली,

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आरोपों को असत्य और निराधार बताते हुए कहा है कि सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति को देश की परंपराओं का सम्मान करते हुए पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए तथा राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए असत्य नहीं बोलना चाहिए।

वाड्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री को असत्य का सहारा नहीं लेना चाहिए और असत्य बोल कर राजनीतिक लाभ के लिए कांग्रेस को कटघरे में खड़ा नहीं करना चाहिए। भारत की परंपरा सत्य पर आधारित है और असत्य के सहारे मोदी को कांग्रेस को बदनाम नहीं करना चाहिए।भारतीय परंपरा में प्राचीन काल से अर्वाचीन तक सत्य की महिमा को उदधृत करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे, 'सत्य ही ईश्वर है।' मुंडकोपनिषद में 'सत्यमेव जयते' लिखा गया है जो हमारा राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है। सत्य की स्थापना करने वाले ये आदर्शवाक्य भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, भारत के पुनर्निर्माण और सार्वजनिक जीवन के हमेशा आदर्श बने। सत्य देश की हजारों साल की संस्कृति का आधार रहा है और देश में सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति को असत्य का सहारा नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर जो आरोप लगाए हैं, वे सत्य से परे हैं। कांग्रेस पार्टी ने जिस राज्य में जनता से जो वादे किए, अगला चुनाव आने का इंतजार किए बिना, सरकार बनते ही उन्हें पूरा करने का काम शुरू किया है।

शनिवार को अहमदाबाद में गुजराती नववर्ष के अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को मिठाई खिलाते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

अमेरिका ने भारत की 19 कंपनी की बैन

ये लगाया आरोप- भारत रूस को दे रहा है युद्ध का सामान

● नई दिल्ली, एजेंसी

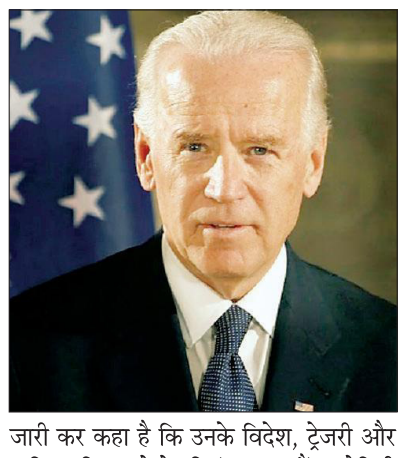

अमेरिका ने 19 भारतीय कंपनियों पर रूस को डिफेंस से जुड़ा सामान उपलब्ध कराए जाने के आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाए हैं। इन पर भारत ने शनिवार को सफाई दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमने भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों की रिपोर्ट देखी है। हम डिफेंस एक्सपोर्ट से जुड़े मामले में यूएनएससी के नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करते हैं।

रणधीर ने कहा कि 19 कंपनियों ने किसी भारतीय कानून का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के साथ मिलकर कंपनियों को एक्सपोर्ट नियमों के बारे में जागरूक करने का काम कर रहे हैं। दरअसल अमेरिका ने भारत के अलावा रूस, चीन, मलेशिया, थाईलैंड, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात जैसे एक दर्जन से ज्यादा देशों की 398 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका का आरोप है कि ये कंपनियां फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस को साजो-सामान उपलब्ध करवा रही हैं, जिनका इस्तेमाल रूस युद्ध में कर रहा है। इनमें से ज्यादातर कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सप्लायर हैं; जबकि कुछ कंपनियां विमान के पुर्जे, मशीन टूल्स आदि भी सप्लाई करती हैं। अमेरिका ने एक बयान जारी कर कहा है कि उनके विदेश, ट्रेजरी और वाणिज्य विभाग ने ये प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने रूसी रक्षा मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारियों और रक्षा कंपनियों पर भी राजनयिक प्रतिबंध लगाए हैं। उनके मुताबिक, इस प्रतिबंध का उद्देश्य तीसरे पक्ष के देशों को सजा देना है। अमेरिकी विदेश विभाग ने 120 कंपनियों की लिस्ट तैयार की हैं। इसमें भारत की चार कंपनियां भी शामिल हैं। इसमें इनके खिलाफ लगे आरोपों का विवरण भी दिया गया है। इन चार कंपनियों में एसेंड एविएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मास्क ट्रांस, टीएसएमडी ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड और फुट्रेवो शामिल है।अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक एसेंड एविएशन ने मार्च 2023 और मार्च 2024 के बीच रूस स्थित कंपनियों को 700 से ज्यादा शिपमेंट भेजे हैं। इसमें करीब 2 लाख अमेरिकी डॉलर (1 करोड़ 68 लाख रुपए से ज्यादा) कीमत की वस्तुएं शामिल थीं। अमेरिका ने एसेंड एविएशन से जुड़े दो भारतीय नागरिकों पर भी प्रतिबंध लगाया है। इनका नाम विवेक कुमार मिश्रा और सुधीर कुमार है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक ये दोनों, एसेंड एविएशन से जुड़े हैं।

पहले भी भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगा चुका है अमेरिका

हालांकि यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारतीय कंपनियों को निशाना बनाया है। इससे पहले नवंबर, 2023 में भी एक भारतीय कंपनी पर रूसी सेना की मदद करने के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया था। अप्रैल 2024 में भी ईरान के साथ व्यापार करने वाली 3 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया गया था। जिन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए, उनमें जेन शिपिंग, पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटिड और सी आर्ट शिप मैनेजमेंट कंपनी शामिल थीं। अमेरिका का आरोप था कि ये कंपनियां ईरान के ड्रोन्स ट्रांसफर करती हैं।

अब तो झूठ बोलना बंद करें मुख्यमंत्रीः जयराम

पूर्व सीएम जयराम का गारंटियों को लेकर कांग्रेस पर पलटवार

● शिमला,

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि मुख्यमंत्री को अपने पार्टी के घोषण पत्र और अपने पार्टी के छोटे बड़े नेताओं के बयान फिर से सुनने चाहिए कि कैसी-कैसी गारंटियां कांग्रेस ने हिमाचल को दी थी। इसके साथ ही पार्टी मुख्यालय में पड़े वह फॉर्म भी देखने चाहिए कि किस तरह से युवाओं को स्टार्टअप फंड देने और महिलाओं से सम्मान निधि के फॉर्म भरवाए गए थे।

ठाकुर ने कहा कि उसे देखकर शायद उन्हें याद आ जाए कि उन्हें किसलिए प्रदेश के लोगों ने बहुमत दिया था। यदि मुख्यमंत्री अब झूठ बोलना बंद कर दें तो प्रदेश पर बहुत बड़ी मेहरबानी होगी। अब तो उनके आलाकमान और राष्ट्रीय नेतृत्व ने भी मान लिया है कि झूठ बोलने के कारण और बड़े-बड़े चुनावी वादे करने के कारण ही आज कांग्रेस की यह स्थिति हुई है। कांग्रेस के सभी सरकारों की इसी झूठ की वजह से किरकिरी हो रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हिमाचल में बोलें गए झूठ की वजह से आज कांग्रेस के किसी नेता और उनके बयान को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। कांग्रेस के झूठ की वजह से आज कांग्रेस के गारंटियों की राजनीति ही समाप्त हो गई। हिमाचल और हिमाचल के नेताओं से कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व अब किनारा कर रहा है, लेकिन इससे कांग्रेस को मुक्ति नहीं मिलने वाली है।

कार के खाई में गिरने से तीन की मौत

जम्मूः जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में शुक्रवार की देर रात एक कार के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि गत रात को मलिकोटे से चसाना की ओर जा रही कार चमेलू मोड़ हमुसन के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गयी और करीब 200 से 300 मीटर गहरी खाई में गिर गयी। मृतकों की पहचान संधूर सिह (23), कुलचा देवी (27) और नीरज सिह (18 महीने) के रूप में हुई है। ये सभी रियासी के चसाना तहसील के गांव सिसल मलिकोटे के निवासी थे। इस बीच घायल चंकर सिंह (32), अजय सिंह (18) और धुनकर सिंह (19) को जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पूर्व गृह मंत्री कैप्टन जयपाल का निधन

पन्नाः मध्यप्रदेश के पूर्व गृह मंत्री कैप्टन जयपाल सिंह का 80 वर्ष की आयु में पन्ना में निधन हो गया। वे लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार शाम इंद्रपुरी कॉलोनी स्थित श्मशान घाट में किया गया। पूर्व गृह मंत्री जयपाल सिंह पवई विधानसभा से दो बार विधायक रहे और बोरा सरकार में मध्यप्रदेश के गृह मंत्री भी रहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के अभिन्न मित्रों में से एक थे। गांधी के साथ में वे पायलट रहे हैं और उनकी दोस्ती पायलट ट्रेनिंग के दौरान ही हुई थी। प्रदेश की राजनीति में प्रभावी दखल रखने वाले वयोवृद्ध कांग्रेस नेता कैप्टन सिंह के निधन पर पन्ना सहित प्रदेश भर के कांग्रेस नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। पन्ना स्थित उनके निवास में शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है।

जापान: अक्टूबर में रही रिकॉर्ड गर्मी

टोक्योः जापान में अक्टूबर में रिकॉर्ड तापमान दर्ज किया गया, जो 1898 में रिकॉर्ड रखने की शुरुआत के बाद से सबसे गर्म महीना रहा। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, पूरे देश में अक्टूबर माह का औसत तापमान सामान्य तापमान से 2.21 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

क्षेत्रीय आधार पर, उत्तरी जापान में तापमान औसतन 1.9 डिग्री अधिक रहा, जबकि पूर्वी और पश्चिमी जापान में तापमान में 2.6 डिग्री की वृद्धि देखी गई। अक्टूबर का औसत तापमान क्योटो शहर में 3.2 डिग्री, नागानो में 3.1 डिग्री और मध्य टोक्यो में 2.6 डिग्री ज्यादा रहा। एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि नवंबर का तापमान औसत तापमान से ज्यादा रहने की संभावना है, हालांकि अगले सप्ताह के उत्तरार्ध में ठंडी हवाएं चलने की उम्मीद है।

शनिवार को पटना के इस्कॉन मंदिर में गोवर्धन पूजा के दौरान पूजा करते श्रद्धालु।

पटाखों में लगी आग, तीन बच्चों की मौत, दो गंभीर

कोलकाताः प्चम बंगाल के हावड़ा जिले के उलुबेरिया शहर में शुक्रवार को पटाखा फोड़ने के दौरान आग लगने से तीन बच्चों की जलकर मौत हो गयी और दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गये। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी। यह त्रासदी उलुबेरिया के बाजारपारा इलाके में शुक्रवार शाम को काजल शेख के घर में हुई और तीन बच्चों में से एक उसके परिवार का था जबकि अन्य पड़ोसी थे। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग उन्हें नजदीकी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीड़ितों की पहचान तानिया मिस्त्री (14), ईशान धारा (06) और मुमताज खातून (08) के रूप में की है। यह दुर्घटना तब हुई जब उलुबेरिया नगरपालिका के वार्ड नंबर 27 के लोग पटाखे फोड़ रहे थे, तभी पास में रखे पटाखों में आग लग गई।

सबसे विकसित राज्यों में नंबर वन होगा राजस्थानः दियाकुमारी

● जयपुर,

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश को विकसित करने में सरकार एवं प्रशासन के साथ नागरिकों की भी उतनी ही भागीदारी जरूरी बताते हुए कहा है कि नागरिक, प्रशासन और सरकार मिलकर काम करेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान सबसे विकसित राज्यों में नंबर वन होगा।

दिया कुमारी ने शनिवार को यहां अपने विधानसभा क्षेत्र एवं प्रदेश के लोगों के साथ दिवाली मिलन समारोह के अवसर पर मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन प्रयास कर रहे हैं कि क्षेत्र एवं प्रदेश को कैसे आगे बढ़ाना एवं विकसित करना है, पर नागरिकों की भी उतनी भागीदारी जरूरी है , वे अपना नागरिक धर्म निभाये और अपनी जिम्मेदारी से काम करें। पर्यटन को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में राजस्थान में पर्यटन की सबसे ज्यादा संभावना है और पर्यटन को आगे बढ़ाने के लिए नए पर्यटन स्थलों को विकसित करना एवं तकनीक से जोड़ना तथा हमारे त्यौहार बड़े-बड़े मंदिर एवं अन्य पर्यटन स्थल एवं वन्य जीव अभ्यारण्यों को आगे बढ़ाना है और मार्केटिंग पर भी ध्यान देना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बारे में सोशल मीडिया और मीडिया पर पूरे विश्व में प्रचार होना चाहिए, वह भी अच्छी तरह बड़े स्तर पर हो, इस पर हम लोग कोशिश कर रहे हैं।

रामगढ़ में चार दशक से है जगदानंद के परिवार का दबदबा

उप चुनाव में इस सीट पर सिंह के छोटे पुत्र अजीत यहीं से अपनी राजनीति की कर रहे हैं शुरूआत

● पटना,

रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से जगदानंद सिंह ने वर्ष 1985 से लगातार 2005 अक्टूबर तक छह बार जीत का परचम लहराया है। जगदानंद के पुत्र सुधाकर 2020 में रामगढ़ से राजद के टिकट पर निर्वाचित हुये। इस बार के आमचुनाव में सुधाकर ने बक्सर से जीत हासिल की।

बिहार के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में करीब चार दशक से पूर्व सांसद और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और उनके परिवार के सदस्यों का दबदबा रहा है तथा 13 नवंबर को होने वाले उप चुनाव में इस सीट पर सिंह के छोटे पुत्र अजीत कुमार सिंह यहीं से अपनी राजनीति की शुरूआत कर रहे हैं।

रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से जगदानंद सिंह ने वर्ष 1985 से लगातार 2005 अक्टूबर तक छह बार जीत का परचम लहराया है। जगदानंद सिह के पुत्र सुधाकर सिह वर्ष 2020 में रामगढ़ से राजद के टिकट पर निर्वाचित हुये। इस बार के आमचुनाव में सुधाकर सिह ने बक्सर से जीत हासिल की और सांसद बनें।श्री सुधाकर सिंह के सांसद बनने के बाद रिक्त रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे। महागठबंधन के घटक दल राजद ने रामगढ़ विधानसभा सीट से जगदानंद सिंह के छोटे पुत्र और सांसद सुधाकर सिंह के भाई अजीत कुमार सिंह को पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। अजीत कुमार सिंह पर रामगढ़ सीट को जीतने की चुनौती के साथ हीं इस सीट पर पार्टी का कब्जा बरकरार रखने की भी चुनौती है। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र 1952 में अस्तित्व में आया। पहली बार रामगढ़ विधानसभा सीट पर हए चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार रामचंद्र राय ने जीत हासिल की। वर्ष 1957 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के दशरथ तिवारी, वर्ष 1962 में कांग्रेस उम्मीदवार विश्वनाथ राय, वर्ष 1967 में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के सच्चिदानंद सिंह, वर्ष 1969 में कांग्रेस उम्मीदवार विश्वनाथ राय ने जीत का परचम लहराया। वर्ष 1972 में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी उम्मीदवार सच्चिदानंद सिंह और वर्ष 1977 में भी सच्चिदानंद सिंह ने जनता पार्टी के टिकट पर जीत हासिल की। वर्ष 1980 के चुनाव में जनता पार्टी सेक्यूलर उम्मीदवार सच्चिदानंद सिंह अपनी जीत के प्रति पूरी तरह आश्वस्त थे, क्योंकि उन्हें खुद अपनी लोकप्रियता का अंदाज था। उनके खिलाफ इंदिरा कांग्रेस ने प्रभावती सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया था। सच्चिदानंद सिंह के सपनों की उड़ान को उस वक्त धक्का लगा जब उनके अपने ही चचेरे भाई जगदानंद सिंह ने रामगढ़ सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पर्चा दाखिल कर दिया। जगदानंद के मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय के साथ बेहद दिलचस्प हो गया था।चुनाव परिणाम चौंकाने वाले थे। तत्कालीन चुनावी विश्लेषक दोनों भाइयों के बीच सीधी लड़ाई मान रहे थे, लेकिन दोनों भाइयों की इस लड़ाई में जीत कांग्रेस की प्रभावती सिंह को मिली।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हुए विस्फोट में पांच स्कूली बच्चों समेत आठ लोगों की मौत

इस्लामाबाद/कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में स्कूली बच्चों को ले जा रहे एक ऑटोरिक्शा में पांच बच्चों समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। विस्फोट सुबह आठ बजकर 35 मिनट पर प्रांत के मस्तुंग जिले के सिविल अस्पताल चौक स्थित एक कन्या माध्यमिक स्कूल के पास हुआ। मस्तुंग जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) मियांदाद उमरानी ने पुष्टि की कि विस्फोट के बाद पांच स्कूली बच्चों समेत सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा, घायलों की संख्या लगभग 27 है और कुछ घायलों को कुछ स्थानीय निवासी खुद ही अस्पतालों तक ले गए। लेकिन उमरानी ने कहा कि शुरूआत में मरने वालों की संख्या सात जबकि घायलों की संख्या करीब 17 थी। उन्होंने कहा कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है। अब तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन जातीय बलूच आतंकवादी और तालिबान आतंकवादी अक्सर प्रांत में सुरक्षा बलों पर हमला करते हैं। उन्होंने कहा, टाइमर के जरिए किए गए आईईडी बम हमले का निशाना एक अस्पताल और एक हाई स्कूल के पास खड़ी पुलिस वैन थी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने एक खड़ी मोटरसाइकिल में छिपाकर रखे गए विस्फोटक पदार्थ को विस्फोट करने के लिए रिमोट कंट्रोल डिवाइस का इस्तेमाल किया। कलात डिवीजन के कमिश्नर नईम बाजई ने कहा, विस्फोट में आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) का उपयोग हुआ था और इसका निशाना स्कूल के पास खड़ा पुलिस का एक वाहन था।

समरसता की सतत साधना और संघ

शाहीन सबा

वर्तमान में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा।

लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबाले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटोगे तो बंटोगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को यह बयान घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबाले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है।

पाकिस्तानी पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट और संघ दर्शन

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के इस्लामाबाद निवासी पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया, तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ और होने का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच-नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है।

गांधी जी और संघ का वैचारिक युग्म

महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है, गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे।

पहले कर्नाटक और बाद में बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद राजनीति का एक हिस्सा पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर अभियान छेड़े हुए है। भारत में पहली बार जाति जनगणना 1931 में हुई थी। अंग्रेजों ने इसका इस्तेमाल भारत में अपना राज बचाने की कोशिश के रूप किया था। शायद दूसरे विश्व युद्ध और स्वाधीनता आंदोलन की तेजी की वजह से 1941 में जनगणना नहीं हुई। आजादी के बाद 1951 की जनगणना की जब तैयारी चल रही थी तो राजनीति के एक हिस्से ने जाति जनगणना की मांग रखी थी। लेकिन जनगणना के प्रभारी मंत्री के नाते तत्कालीन स्वराष्ट्र मंत्री सरदार पटेल ने इस मांग को खारिज कर दिया था। पटेल का मानना था कि जाति जनगणना से सामाजिक तनाव बढ़ेगा और अंततः वह विखंडन को ही बढ़ावा देगा। कुछ ऐसी ही सोच संघ की भी है। हालांकि कुछ दिनों पहले संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने जाति जनगणना का समर्थन किया था। जिससे माना गया था कि संघ भी जाति जनगणना के पक्ष में है। ऐसी सोच रखने वालों ने आंबेकर के विचार के अगले हिस्से पर ध्यान नहीं दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रशासनिक कार्यों के लिए ऐसे आंकड़े जुटाए जा सकते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

गांधी जी के बाद संघ शायद अकेला संगठन है, जिसके कार्यक्रम नियमित रूप से वंचित और मलिन बस्तियों में होते रहते हैं। समाज के हाशिए पर पड़े व्यक्तियों और समुदायों से बिना किसी भेदभाव के संघ लगातार संवाद करता रहता है। मलिन और वंचित बस्तियों में रोजगार और शिक्षा के साथ ही सफाई को लेकर संघ और उसके कार्यकर्ता आए दिन जुटे रहते हैं। संघ परिवार और समाज को हर मुमकिन मौके पर जोड़ने की कोशिश करता है। 'कटेंगे तो बंटेंगे' के विचार को उसका समर्थन दरअसल उसकी इसी चिरंतन सोच का विस्तार है। इसे समझने के लिए दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान को एक बार फिर देखना चाहिए। उन्होंने कहा है कि 'कटेंगे तो बंटेंगे' मुहावरा हिंदू समाज की एकता के बारे में इसी भावना को व्यक्त करने का एक और तरीका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हिंदुओं का एकजुट होना सभी के लिए फायदेमंद होगा। हिंदुओं की एकता संघ की आजीवन प्रतिज्ञा है। हिंदू एकता व्यापक मानवीय एकता के लिए है। जो देश के सर्वोत्तम हित में है। लगे हाथों होसबाले ने चेतावनी भी दी कि हिंदुओं को विभाजित करने की कोशिश में कई ताकतें जुटी हैं, जिनको हटाने के लिए संघ और समाज सामूहिक रूप से कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

आखिर में नहीं भूलना चाहिए कि हिंदू एकता समाज और जन कल्याण का भी महत्वपूर्ण टूल है। अंतर सिर्फ इतना है कि राजनीति इस टूल को तोड़ने की कोशिश करती है और संघ इसे बचाने का।

मनुष्यापकर्ष का गदहा-आयामः यह खल खाइ काल की नाईं

प्रो. आनन्द पाटील

गतांक से आगे- गधा और टीन के छेदी कनस्तर का प्रयोग जान (बूझ) कर आप निश्चय ही हर्षित हुए होङ्गे। वह प्रसंग-वर्णन बहुतांश को अपने-अपने व्यक्तिगत कारणों (अनुभवों) से गुदगुदाने वाला सिद्ध हुआ है। उस वा वैसे-से प्रसंग-वर्णन में वैविध्यमय ग्रामीण जीवन के अनेक पूरक प्रसंग लहरायित वा तरंगायित हैं। कुछ मित्रों ने तो गतांक में वर्णित गधे को प्राणिवाचक के स्थान पर व्यक्तिवाचक ही पढ़कर अपार आनन्द बटोरा है। प्रसंगवश उन्हें प्राप्त उस आनन्द के लिए मैं स्वयम् कृतार्थ हुआ हूँ। कम-से-कम मेरी पीढ़ी के, ग्रामीण परिवेश के मित्रों ने इस तथा ऐसे-से अन्यान्य प्रयोगों को निश्चय ही जिया-भोगा होगा। विस्मृत न हो कि प्रयोग एवम् सृजन की अपनी सम्बद्धता है। दोनों सम्पृक्त वा परस्पर पूरक प्रतीत होते हैं। जो हो, प्रयोगधर्मी मित्रों के उन सायास प्रयोगों में सृजन के मार्मिक प्रसंग सूत्र रूप में विद्यमान थे, जो अब नाना प्रसंगों को जानने-समझने तथा अभिव्यक्त होने के लिए विशिष्ट दृष्टि देते हैं। मैं आज सोचता हूँ, उन प्रयोगों की बहुलता अकारण (निष्प्रयोज्य) नहीं थी।

उन दिनों वर्तमान की-सी मोबाइल-मन्त्रित स्थिति वा परिवेश नहीं था। हम घरों में कम, आँगन में और आँगन के पार, अन्यत्र सर्वत्र होते थे। अन्यत्र होने की उस छूट (स्वतन्त्रता) के कारण तथा उस खुले (मुक्त) वातावरण में, खेतों-खलिहानों में, कूदा-फाँदी करने वाले बच्चे अधिक प्रयोगधर्मी और मनोरूप से बलिष्ठ थे। उन दिनों खेलकूद के नाना रूप, प्रकार तो थे ही, नाना प्रकार के व्यक्तिजन्य खेल नित दिन जन्म भी लेते थे और अपनी गली से सम्पूर्ण गाँव तथा गाँव से ननिहाल, इस प्रकार अन्यान्य गाँवों में यात्रा कर अपने मूल रूप में वा नव-नियमों के साथ विस्तार पा जाते थे। इस प्रकार प्रयोग ही प्रयोग में खेल-रूपों का नव-सृजन होता था। कविवर अज्ञेय की एक काव्य-पंक्ति है- हमें मिला है यह अपने जीवन की निधि से ब्याज सरीखा। (हरी घास पर क्षण भर) हमारे समय ने हमें उस निधि के साथ-साथ उससे प्राप्त ब्याज का निर्बाध आनन्द लेना सिखाया है। प्रस्तुत वाक्य में प्रयुक्त 'ब्याज' को रेखांकित करके ही कोई चाह ले, तो हमें 'महाजनी सभ्यता का संरक्षक' घोषित कर सकता है, नवोदितों में घोषणा की जो परम्परा चल पड़ी है। क्या पता उनके लिए 'घोषणा' ही प्रयोग हो!

हमारे लिए दैनन्दिन जीवन में प्रायोगिक भिन्नता ही मौलिकता थी। प्रयोगधर्मी मित्रों का अ-लीकी होकर इस प्रकार प्रयोगसिद्ध होना इस बात का प्रमाण था कि और तो और, गधा भी मौलिक रूप में प्रस्तुत हो जाया करता था। कालान्तर में, लोगों ने गधे को निरा गधा क्या बना दिया, वह शनैः-शनैः सम्पूर्ण परिवेश से ओझल ही होता गया है। अब (प्रसंगवश) 'गधा' संज्ञा प्रयुक्त होती है, तो आप अनायास अपने आसपास किसी व्यक्ति की ओर देखने वा इंगित करने लगते हैं। इस सम्बन्ध में विस्तार से कुछ कहना अत्यन्त जोखिम भरा काम सिद्ध हो सकता है, किन्तु कहे बिना काम चल भी नहीं सकता। हम जानते हैं- अनभिव्यक्त अधिक रहस्यमय होता है, इस कारण लेखकों की महत्ता स्वयंसिद्ध है। तो, 'गधा' संज्ञा प्रयोगोपरान्त आपका किसी व्यक्ति की ओर अनायास देखना वा इंगित करना मानो उस व्यक्ति को गदहा-रूप में वा गधे को मनुष्य-रूप में देखने का आभास कराता है। फिल्मों व सर्कसों में पशु-पक्षियों का मनुष्यवत व्यवहार आश्चर्यजनक लगता है, किन्तु यदि मनुष्य पशुवत यथा- गधा, बैल वा कुत्ते-सा व्यवहार करने लगता है, तो कोई आश्चर्य नहीं होता। मानवीय उत्कर्ष के वर्तमान बहुआयामी समय में अपकर्ष के इस पक्ष पर चिन्तन-मनन की निश्चय ही (नितान्त) आवश्यकता प्रतीत होनी चाहिए। कोई इसे धृष्टता कह सकता है, किन्तु इसे अनिवार्यता समझना समीचीन होगा।

वर्ष 2: वज्रपात- 31

जानिए कि खेल-खेल में गधे के उस प्रयोग में नवीनता व मौलिकता थी। गधे का ढबरापन व्यक्ति पर यथावत लागू नहीं हो सकता, किन्तु किसी-न-किसी रूप में लागू हो जाए, तो उसे केवल संयोग ही कहा जाना चाहिए। वैसे, मनुष्य और गधे में कहीं कोई साम्य नहीं है, किन्तु मनुष्य की कृति-विशेष से यदा-कदा उसका सांयोगिक-सम्बन्ध बैठ जाता है। इस सांयोगिक-सम्बन्ध से ही गधा मनुष्य में अमरत्व पा जाता है। गधे का ढबरापन जितना उसकी ढेञ्चू-ढेञ्चू में दीख जाता है, उतना ही कामातुरता से उत्प्रेरित होकर दीशाहीन भागने में दीखता है। मनुष्य जब नाना रूपों में आतुर होता है, तो गधे के साथ उसका सांयोगिक-सम्बन्ध स्वतः प्रकट हो जाता है। इस प्रकार गधा मनुष्य में अमरत्व पाता जाता है। एक सुधी पाठक ने गतांक पर प्रतिक्रियास्वरूप बातों-ही-बातों में कहा कि- गधे को इतना अ-प्रतिष्ठित (डिग्रेड) करना, कितना तर्कसंगत है? ग्रामीण भारतीय सांस्कृतिक जीवन के साथ उसका सम्बन्ध अटूट है। अर्थव्यवस्था में उसकी उपस्थिति अनिवार्यतः उल्लेखनीय (रही) है। और, आप जो लिखते हैं, उसका क्या-कोई पारिवेशिक वा सहजीवी सम्बन्ध वा दबाव है?

उपर्युल्लिखित पूरे कथन में प्रतिक्रिया के साथ-साथ प्रश्न भी उपस्थित है। तो, प्रथमतः प्रश्न का उत्तर देता चलूँ- गधे के साथ मनुष्य का जैसा सांयोगिक-सम्बन्ध है, उसी प्रकार परिवेश के साथ लेखक का भी सांयोगिक-सम्बन्ध (होता) है। ऊपर जिस प्रकार गधे का मनुष्य में अमरत्व पा जाना सिद्ध हुआ है, उसी प्रकार परिवेश लेखक की रचना में किसी-न-किसी रूप में सम्पृक्त होकर अमरत्व पा जाता है। इसलिए परिवेश को रचना से पूर्णतः पृथक् करके देखना जितना अनुचित होगा, उतना ही परिवेश से पूर्णतः सम्बद्ध करके देखना उसे अतिसीमित कर देना होगा। अज्ञेय ने 'लेखक और परिवेश' निबन्ध में लिखा है- आज की बड़ी दुनिया में मेरा परिवेश स्थितिशील नहीं है, वह सतत चलनशील है! सभी सम्बन्ध भी गतिशील हैं! उनका जो रूप मेरी चेतना को छूता है, वह छूने-छूने में बदलता जाता है। बल्कि वह छुअन ही मानो नाड़ी की छुअन है या कि एक घूमते हुए पहिये के नेमे की-जिसका स्पर्श भी यह नहीं कहता कि मैं हूँ यही कहता है कि मैं हो रहा हूँ- या कि इससे भी आगे मैं होते-होते यह-यह नहीं, वह होता जा रहा हूँ- जिस परिवर्तन के बीच में रहता हूँ- यानी मेरा जो परिवेश है, वह एक असन्तुलन से दूसरे असन्तुलन तक का है। (लेखक का दायित्व, पृ. 26)

कहना न होगा कि असन्तुलनों के बीच व आर-पार रचना (लेखक) की बृहत्तर व्याप्ति (होती) है। परिवेश की व्याप्ति भी कहाँ सीमित होती है? जातीय, स्थानीय, क्षेत्रीय परिवेश अन्ततः दैशिक और उससे भी आगे वैश्विक परिवेश का निर्माता होता है। भारतीय धर्म-दर्शन- 'वसुधैव कुटुम्बकम्' में पारिवेशिक सम्बद्धता का ही बृहत्तर रूप व्याख्यायित है। इसलिए लेखों (विशेषकर वज्रपातों) में केवल सीमित (स्थानीय) परिवेश को खोजना अतिसीमित दृष्टि एवम् बोध का परिचायक कहलाएगा। अज्ञेय ने उपरोल्लिखित निबन्ध में ही आगे जो लिखा है, वह प्रकारान्तर से साम्प्रतिक लेखकीय सत्य है- मेरा परिवेश जितना बड़ा है और बड़ा होता जाता है, उतना ही मैं छोटा और छोटा होता जाता हूँ, यह तो ठीक है ही। बल्कि इसे तो स्वयंसिद्ध मान लिया जा सकता है, उतना मेरा संवेदन भी विस्तृत और गहरा होता जाता है, और उतना ही सम्प्रेषण भी विशालतर और गम्भीरतर होता जाता है। (वही, पृ. 35)

ऊपर पाठकीय प्रतिक्रिया में गधे को अ-प्रतिष्ठित (डिग्रेड) करने का उल्लेख हुआ है। इधर कुछ स्व-पोषित तथाकथित लेखक-विचारक लिखने-बोलने का अभ्यास (प्रैक्टिस) करने के स्व-इच्छित प्रयासों में पूर्व-प्रकाशित लेखों में (?) संरचित वैचारिकी की स्व-मनोनुकूल चीर-फाड़ कर भारतीय संस्कृति वा भारतीयता का राग अलापने का उद्यम करने में जुट गये हैं, वे गधे को महानतम और भारतीय श्रम-संस्कृति का पुरोधा घोषित करने में भी जुट सकते हैं, किन्तु उनके विश्लेषण की प्रवाही-निकृष्टता (हीनतर स्थिति) से उनका प्रयास गधे में विचारों की प्राण-प्रतिष्ठा करने जैसा ही सिद्ध होगा, क्योंकि कुछ हो न हो, स्वजातीयता (?) अपने अ-भिन्न रूप में प्रभावकारी होती ही है। वैसे, उपर्युल्लिखित पाठकीय प्रतिक्रिया का उत्तर देता चलूँ कि- गधे की अ-प्रतिष्ठा उसके बोझिलपन, गतिहीनता, पाषाणवत स्थिरता और कामातुरता से उत्प्रेरित होकर उसके इधर-उधर (दिशाहीन) भागने-भटकने में ही दृश्यमान है। मुझे पूरा भान है कि-गधे के श्रमिक-रूप को नकारा नहीं जा सकता। वह इतना श्रमनिष्ठ होता है कि बोझ से मुक्त हुए बिना ही चरने में आनन्द पाता है। उसकी बोझ-मुक्ति की बालकथा में भी उसका गधापन वर्णित है ही।

वैसे, खेल-खेल में गधे के मनोरंजक प्रयोग से गतांक का समापन हुआ था। तो, ध्यातव्य है कि उन दिनों, लगभग सारे खेल मानसिक व शारीरिक रूप से सशक्त बनाने वाले थे और उनमें प्रायः पशु-पक्षियों की उपस्थिति हुआ करती थी। पशुओं को हानि न पहुँचाने के अस्वीकरण (डिस्क्लेमर) फिल्मों में बहुत बाद में आये, किन्तु प्रयोगधर्मी मित्रों के खेलों व प्रयोगों में वह जन्मतः (स्वभावतया) विद्यमान था। सहअस्तित्व के गहरे आत्मीय बोध ने हमारी ग्रामीण पीढ़ी को अत्यन्त संवेदनशील बनाया था। इसलिए गधा काम (श्रम) के साथ-साथ मनोरंजन में भी अ-भिन्न साथी बना रहा। प्रयोगधर्मी मित्र गधों से काम के साथ-साथ मनोरंजन कराने में सिद्धहस्त थे। मित्रों की उस संगत तथा प्रयोगधर्मिता में जीवन की अजब-गजब रंगत थी, जीवन को देखने-समझने की गहरी एवम् व्यापक दृष्टि थी, जो मेरे लेखकीय जीवन को प्रायः परिष्कृत करने का काम करती है।

मैं जानता हूँ - ग्रामीणों के लिए गधा सामाजिक प्राणी है। उससे श्रम के साथ-साथ निष्कम्प धैर्य एवम् सहनशीलता सीखी जा सकती है, किन्तु संघर्षरत भारतीय समाज में अकारण सहनशीलता गुण नहीं, अवगुण कहलाती है। लोक में उसके लिए नाना संज्ञाएँ व विशेषण प्रचलित हैं। वैसे, गधा नाना रूपों में अपूर्तिग्रस्त जीवन में काम का प्राणी है, किन्तु उसकी बोझिल, गतिहीन, पाषाणवत स्थिरता में प्रयोगधर्मी मित्रों की क्रीड़ा-योजना ने जो जीवन एवम् आनन्द खोज निकाला था, वह नाना बोझिल, गतिहीन, पाषाणवत व ठण्डे प्रसंगों में जीवन्तता (गति) दे जाती है। आज भी गधा और टीन के छेदी कनस्तर के उस प्रयोग के ध्यान मात्र से ही वह संगत-रंगत पुनः जीवित हो उठती है। जीवन में जब भी कोई अवाञ्छित (बेढ़ब) तत्त्व उपस्थित होता है, बचपन का गधा-प्रसंग सहज स्मरण आता है। और, ढब-ढब का बेसुरापन कर्णपट्टिका पर ढबढबाने लगता है। उस ढब-ढब से जितना गधे का ढबरापन समझ आता है, उतना ही अपूर्तिग्रस्त जीवन में मनोरंजन की खोज का अनोखा मार्ग भी दीख जाता है।

मैं रह-रहकर सोचता हूँ- प्रयोगधर्मी मित्रों का वह प्रयोग सर्वथा भिन्न अर्थात् मौलिक था। इधर, एक सप्ताह से गाँव में हूँ। कल यह सोचकर घर से बाहर निकल गया कि गधा देख आऊँ। इतने वर्षों में कितना-कुछ बदल गया है, क्या पता गधे में भी कुछ परिवर्तन हुआ हो! किन्तु, दुर्भाग्य कि गधा देखने भर को भी न मिला। और, आज प्रातः सड़क से उद्घोषणा सुनायी दी- ले लो, ले लो-गधी का दूध ले लो। मैंने लपककर माँ से पूछा-अब गाँव में यह भी बिक रहा है? माँ ने कहा-कह रहे हैं- गधी का दूध बड़ा गुणकारी होता है। अपच से मुक्ति, त्वचारोगों से मुक्ति, बुढ़ापे से मुक्ति के लिए गधी का दूध बहुत गुणकारी है। खरीदने वाले लोग खरीद रहे हैं। देखिए, मुक्ति के लिए क्या-कुछ बिक रहा है! सोचता हूँ- मेरे विचार-चिन्तन से जिन्हें अपच होती होगी, उन्हें गधी के दूध से कोई लाभ मिल सकेगा?

(लेखक म.गां.अं.हिं.वि.वि., वर्धा-महाराष्ट्र में निदेशक एवम् कुलसचिव हैं।)

ज्योतिर्विद * ब्रजेन्द्र श्रीवास्तव

साप्ताहिक ज्योतिष पत्रिका

रविवार 03 नवम्बर से शनिवार 09 नवम्बर 2024 तक

विक्रम सम्वत 2081 कलि सम्वत 5125, कार्तिक शुक्ल पक्ष रविवार 3 नवम्बर से द्वितीया तिथि से कार्तिक शुक्लपक्ष अष्टमी शनिवार 9 नवम्बर तक। **रविवार 3 नवम्बर:** कार्तिक शुक्ल दौज तिथि रात्रि 10.04 बजे तक। आज भाई दूज को सामाजिक पर्व। यम द्वितीया, बहन के घर भोजन की परम्परा। यमुना स्नान।

व्रत उत्सव

गुरुवार 7 नवम्बर: सूर्य सायन वृश्चिक पर हेमन्त ऋतु प्रारंभ। **शनिवार 9 नवम्बर:** गोपाष्टमी गायों को गोग्रास दें और पूजन नमन करें। **अगले सप्ताह:** रविवार 10 नवम्बर को अक्षय नवमी, आज का दान पुण्य अक्षय होता है इसलिए यथा शक्ति आज दान अवश्य करें। आज आंवलावृक्ष की परिक्रमा और पूजन का दिन भी है। आज कुम्हड़ा फल दान की परम्परा भी है। कार्तिक शुक्ल नवमी को गरुण पुराण अनुसार उपवास और दशमी को विष्णु पूजन करने से रोग निवारण और स्वास्थ्य लाभ होता है।

आकाश दर्शन और मौसम

शुक्र ग्रह: पश्चिम में शाम पौने आठ बजे तक दिखाई दे रहा है। मंगल ग्रह पूरब में रात साढ़े दस पर उदित होकर सुबह दक्षिण में सिर पर दिख रहा है। गुरू ग्रह रात आठ बजे पूरब में उदित होकर सुबह दक्षिण पश्चिम में दिख रहा है। शनि ग्रह सूर्यास्त के बाद दक्षिण पूर्व में रात 8 बजे। दक्षिण में सुबह 2 बजे पश्चिम में दिख रहा है।
मौसम: दिन और रात दोनों का तापमान गिरेगा। हेमन्त ऋतु 7 नवम्बर से आरंभ हो गई है। रात का तापमान गिरेगा।

व्यापार भविष्य

चन्द्र गुरू योग और चन्द्र मंगल त्रिकोण योग शेयरों में जनरल तेजी का संकेत। सप्ताहांत अस्थिरता व गिरावट के बाद सुधार।

मेष- इस सप्ताह के शुरू में आपको रुके हुए लाभ मिल सकते हैं इसके अलावा किसी वाद विवाद वाले मामले में भी सम्मानजनक समाधान हो सकता है। बैंक बचत से व्यवहार होगा। भेंट उपहार की प्राप्ति का योग भी है। सप्ताह मध्यलघु यात्राएं हो सकती हैं तथा मित्रों संबंधी जनों से भेंट हो सकती है। व्यापार रोजगार में भी संपर्क और यात्राएं होंगी जो लाभदायक रहेंगी। शुक्रवार के आसपास कामकाज में कई बार रद्दोबदल हो सकते हैं। इस सप्ताह के रविवार सोमवार बुध शनिवार विशेष उत्तम और लाभकारी दिन हैं।

वृष- सप्ताह के शुरू में आपकी राशि पर से संचार कर रहे बृहस्पति का चंद्रमा से शुभयोग हो रहा है यह आपका मान सम्मान बढ़ाने वाला और आत्मसंतोष देने वाला रहेगा। सप्ताह के मध्य पुराने रुके हुए काम बन सकते हैं आपको आध्यात्मिक क्षेत्र में अच्छी अनुभूति भी हो सकती है। सप्ताह के आखिर में कामकाज में जल्दबाजी के कारण आप परेशानी में पड़ सकते हैं इसलिए धैर्य पूर्वक काम करें शुक्रवार के आसपास इस दृष्टि से विशेष ध्यान रखें। सप्ताह के सभी दिन अधिकतर लाभ प्रसन्नता और संतोषदायक हैं।

मिथुन- सप्ताह के शुरू में कामकाज में विशेष तेजी आएगी बहुत से कम शीघ्रता में भली भांति निपट जाएंगे। परंतु किसी सम्बन्धी जन के व्यवहार से थोड़े समय के लिए आंतरिक क्लेश भी हो सकता है सप्ताह मध्य यात्रा प्रवास हो सकते हैं और प्रियजनों का आवागमन बढ़ सकता है जबकि व्यापार रोजगार में भी इस दौरान अच्छी प्रगति होगी सप्ताह के आखिर में किसी रुके हुए काम पर या लेनदेन मतभेद हो सकते हैं तथा रविवार मंगलवार बुधवार गुरुवार शनिवार अपेक्षाकृत अनुकूल और लाभकारी दिन रहेंगे।

कर्क- आप इस सप्ताह बौद्धिक और व्यापारिक कार्यों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे आपकी तुरंत निर्णय क्षमता से बहुत सी कठिनाइयों का समाधान हो जाएगा। परीक्षा प्रतियोगिता से जुड़े कार्यों में भी इस सप्ताह उत्तम प्रदर्शन हो। सप्ताह मध्य आर्थिक देनदारी का दबाव रहेगा जिसका समाधान सप्ताह के आखिर तक हो जाएगा। सप्ताह के आखिर में प्रियजन से मित्र से मतभेद हो सकता है। यात्रा प्रवास में शुक्र शनिवार के लगभग सावधानी रखें। सप्ताह के रविवार सोमवार बुध गुरुवार शनिवार व्यापार लाभ प्रसन्नता और सफलता की दृष्टि से उत्तम हैं।

सिंह- सप्ताह के शुरू में आप अपने आसपास के वातावरण को और घर तथा दुकान आदि को सुसज्जित बनाने के लिए समय और साधन का व्यय करना चाहेंगे। वाहन और संवाद के उपकरण की खरीद भी हो सकती है। घर में मित्रों संबंधीजनों का आवागमन बढ़ेगा। सप्ताह मध्य आप एक साथ कई महत्वपूर्ण निर्णय करके अपनी और दूसरों की चिंता का समाधान करने में सफल होंगे। सप्ताह के आखिर में स्वास्थ्य कष्ट रक्तचाप या तनाव उभर सकता है इसलिए संयम और नियमित दिनचर्या बनाए रखें। व्यापार रोजगार में लाभ और सफलता की दृष्टि से रविवार सोमवार बुधवार अनुकूल और लाभदायक दिन रहेंगे।

कन्या- सप्ताह के आरंभ में व्यस्तता अधिक रह सकती है। आपका संपर्क क्षेत्र बढ़ेगा, नए व्यापारिक संबंध भी स्थापित हो सकते हैं तथा नए मित्र भी बन सकते हैं। शौकिया कार्यों में भी आप कुछ अधिक समय इस सप्ताह देना चाहेंगे। पारिवारिक व्यस्तता बढ़ सकती है और संतान पक्ष की ओर से चिंताएं भी। स्थाई संपत्ति की देखभाल पर व्यय अधिक हो सकता है। सप्ताह के आखिर में मन कुछ अधिक अधीर रह सकता है आप में जरा जरा सी बात पर तनाव ग्रस्त होने की और दूसरों के प्रति नाराज होने की प्रवृत्ति रहेगी। प्रसन्नता सफलता और लाभ के लिहाज से लगभग पूरा सप्ताह ही अनुकूल है।

तुला- सप्ताह के शुरू में बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति होने का भेंट उपहार मिलने का और बचत का विशेष प्रयोग होने का ग्रह योग है। कोई आश्वासन भी पूरा होगा इससे प्रसन्नता रहेगी। सप्ताह मध्य यात्रा भ्रमण अधिक हो सकते हैं। संपर्क क्षेत्र बढ़ेगा तथा अच्छी खबरें भी मिलेंगी। व्यापार रोजगार में इस दौरान लाभकारी लेन देन होने का ग्रह संकेत भी है। शौकियाकार्यों में भी आप पर्याप्त समय दे सकेंगे। सप्ताह के आखिर में यात्रा होने अथवा वापसी यात्रा होने का संकेत है। शुक्रवार के आसपास वाहन मशीनरी घरेलू उपकरणों के उपयोग में अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित है। सफलता और कारोबारी लाभ के लिहाज से लगभग पूरा सप्ताह ही अनुकूल रहेगा।

वृश्चिक- आपकी राशि पर गुरु चंद्र का परस्पर योग सप्ताह के शुरू में हो रहा है यह आप में नवीन उत्साह की सृष्टि करेगा और किसी विशेष कार्य में अच्छी सफलता का भी मार्ग बनाएगा। अपने कार्य क्षेत्र में इस सप्ताह आपका सम्मान बढ़ाने वाले प्रसंग होने का भी प्रबल योग है। सप्ताह मध्य आर्थिक लेनदेन होने का तथा अच्छा लाभ अर्जन होने और विशेष उपहार मिलने का योग है। इस सप्ताह घर परिवार में शुभ कार्य आयोजन भी हो सकते हैं। व्यापार रोजगार में आश्वासन पूरा होने से प्रसन्नता रहेगी। सप्ताह के आखिर में मित्र पड़ोसियों से व्यवहार में आकलन तनाव हो सकता है इसलिए सावधानी पूर्वक बातचीत करें खास कर शुक्रवार को। रविवार सोमवार गुरुवार और शनिवार उत्तम दिन रहेंगे।

धनु- सप्ताह के आरंभ में गैर जरूरी खर्च होने का तथा समय और साधन का समुचित उपयोग नहीं होने का ग्रह संकेत है, इसलिए सोच समझकर कार्य करें और अपव्यय तथा क्लेश से बचें। सप्ताह मध्य आपके कई कार्य एक साथ पूरे हो जाने से आपको प्रसन्नता रहेगी। प्रिय जनों से भेंट होने का योग भी है। उपयोगी लघु यात्राएं भी हो सकती हैं। व्यापार रोजगार में आपको कई क्षेत्रों में अच्छा लाभ होने का और साख सम्मान बढ़ने का योग है। सप्ताह के आखिर में भी व्यावसायिक धन लाभ होगा पर लापरवाही के कारण फिजूल खर्ची भी अधिक हो सकती है। सप्ताह के सोमवार बुध गुरुवार अधिकतर प्रसन्नता और सफलता तथा लाभदायक रहेंगे।

मकर- सप्ताह के आरंभ में आपके कुछ महत्वपूर्ण कार्य कम कोशिश से सफल होने का ग्रह योग है। मित्रों संबंधीजनों से भी अच्छा सहयोग मिलेगा। व्यापार रोजगार में नए संपर्क होंगे। आपको अपने से उम्र में छोटे कुशाग्र बुद्धि के व्यक्तियों से भी कामकाज में अच्छा सहयोग प्राप्त हो सकेगा। सप्ताह मध्य खर्च अधिक हो सकते हैं तथा परिश्रम भी अधिक हो सकता है, परंतु कामकाज में सफलता से आपको संतोष भी मिलेगा। सप्ताह के आखिर में कामकाज में तेजी आएगी परंतु मन अकारण अशांत भी बना रह सकता है। रविवार सोमवार बुधवार और शुक्रवार अपेक्षाकृत अनुकूल और लाभदायक दिन रहेंगे।

कुंभ- आपको नए कार्यों से नई योजना से जुड़ने का तथा इनमें अपने बुद्धि कौशल का प्रदर्शन करने का अच्छा अवसर मिलेगा, विशेषकर सप्ताह के आरंभ में किसी नई स्कीम के लागू होने से भी आपको शीघ्र ही लाभ मिलने का संकेत भी मिलेगा। स्थाई संपत्ति के विस्तार होने का तथा वाहन मशीन सुख साधन प्राप्ति का योग भी है। सप्ताह मध्य प्रसन्नता के एक से अधिक प्रसंग हो सकते हैं तथा कारोबार की स्थिति के अनुसार लाभ भी कई साधनों से मिल सकता है सप्ताह के आखिर में खर्च बढ़ने का और चित्त अशांत रहने का ग्रह योग है। सप्ताह के शेष दिन अधिकतर व्यापार लाभ प्रसन्नता और सफलता दायक हैं।

मीन- आपकी राशि के स्वामी गुरु का चंद्रमा से शुभ योग भाग्य स्थान पर से हो रहा है इसलिए यह सप्ताह, विशेष कर सप्ताह के शुरू के तीन-चार दिन कई दृष्टि से भाग्यशाली रह सकते हैं, आपका मान सम्मान बढ़ने का तथा व्यापार रोजगार के क्षेत्र में नए लेनदेन होने का ग्रह योग घटित हो सकता है। धार्मिक अनुष्ठान और शुभ कार्य के लिए यात्रा आदि होने का योग भी इस सप्ताह प्रबल है। आपकी व्यस्तता बढ़ेगी तथा कई कार्यों को एक साथ पूरा करने का तनाव भी रह सकता है। पर ऐसे में आपको दूसरों से अच्छा सहयोग मिलेगा। सप्ताह के आखिर में आकस्मिक लाभ हो सकते हैं और निकट संबंधी से मतभेद भी थोड़े समय के लिए हो सकते हैं। व्यवसाय में लाभ और निजी जीवन में प्रसन्नता के लिहाज से यह पूरा सप्ताह ही अधिकतर अनुकूल रहेगा।

वानखेड़े में दूसरे दिन गिरे 15 विकेट

शतक से चूके गिल, बनाए 90 रन, भारत की पहली पारी 263 रन पर ढेर

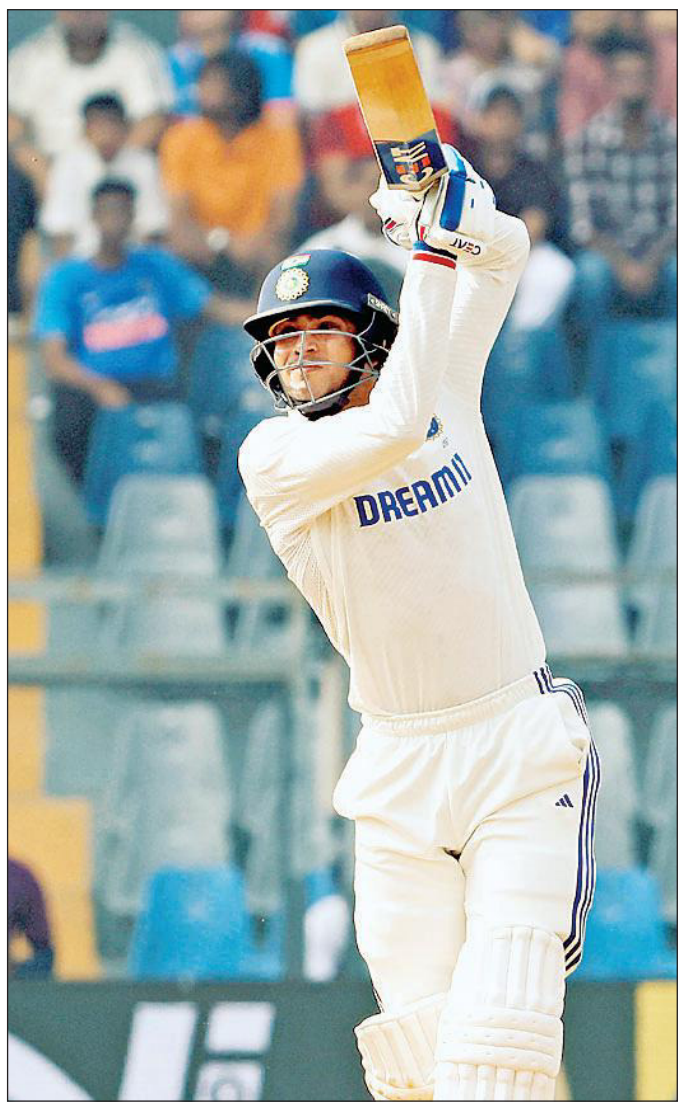

जडेजा ने झटके चार विकेट न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में नौ विकेट खोकर बनाए 171 रन

न्यूजीलैंड के पास कुल बढ़त 143 रन की, बल्लेबाज विल यंग ने खेली अर्धशतकीय पारी

मुंबई, वार्ता : वानखेड़े की मुश्किल पिच पर शनिवार का दिन भारत और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के लिए कठिन परीक्षा का रहा जहां श्रृखंला के तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत की पहली पारी के 263 रन के जवाब में मेहमान टीम ने नौ विकेट पर 171 रन बना लिए थे।

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 235 रन बनाए थे। इस लिहाज में मेहमान टीम की लीड 143 रन की हो चुकी है और उसके बचे हुए एकमात्र बल्लेबाज को पिच पर आना बाकी है। दिन का खेल खत्म होने के समय एजाज पटेल सात रन बना कर क्रीज पर जमे हुए थे। पूरे दिन के खेल में गेंदबाजों का बोलबाला रहा जहां कीवी गेंदबाजों ने छह भारतीय विकेट निकाले जबकि भारतीयों ने भी नौ मेहमान बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। भारत की कोशिश न्यूजीलैंड का आखिरी विकेट जल्द निकालने की होगी जिसके बाद भी पिच के मिजाज को देखते हुए भारत के लिए लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं दिख रहा है क्योंकि चौथी पारी में सिर्फ एक बार यह करिश्मा हुआ है जब किसी भी टीम ने यहां 163 रन का लक्ष्य हासिल किया है। पिच के रुख को भांपते हुए शुभमन गिल (90) और ऋषभ पंत (60) की जोड़ी ने अपनी टीम के शुक्रवार के स्कोर चार विकेट पर 86 रन से आगे खेलते हुए पहले सत्र में आक्रामकता का परिचय दिया। खासकर ऋषभ पंत ने क्रीज पर आते ही तेजी से रन बटोरने शुरु किए।

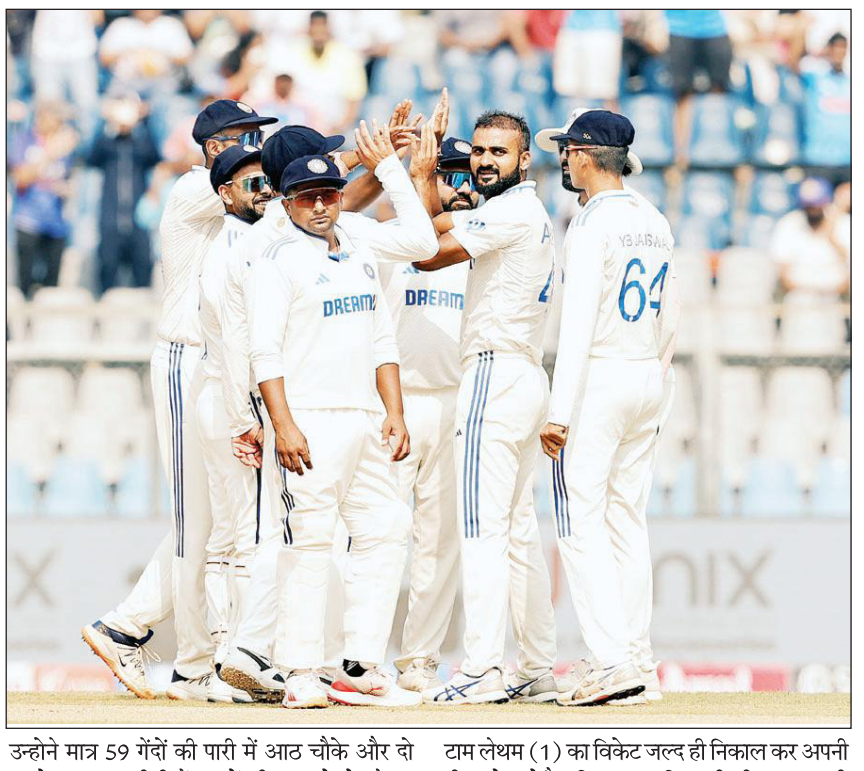

उन्होने मात्र 59 गेंदों की पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाकर कीवी गेंदबाजों की लय को तोड़ने का सफल प्रयास किया हालांकि उनके आउट होते ही रविंद्र जडेजा (14) और सरफराज खान (0) के रुप में भारत को जल्द ही दो करारे झटके लगे। बाद में क्रीज पर आए वाशिंगटन सुंदर ने शुभमन गिल के साथ स्कोरबोर्ड को चलाने का प्रयास किया मगर गिल 90 के निजी स्कोर पर एजाज पटेल का शिकार बन गए। सुंदर (38) भी आक्रामक अंदाज में दिखे मगर दूसरे छोर पर उन्हे समर्थन नहीं मिला । एजाज पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड के सबसे सफल गेंदबाज बने। आकाशदीप ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में कप्तान टाम लेथम (1) का विकेट जल्द ही निकाल कर अपनी टीम को मनोवैज्ञानिक बढ़त दिला दी थी मगर पहली पारी में शानदार प्रदर्शन करने वाले विल यंग (51) ने एक छोर पर खूंटा गाड़ कर भारतीय गेंदबाजों को परिश्रम कराया। उन्होने कॉन्वे (22),डैरिल मिचेल (21) और फिलिप्स (21) के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां कर टीम के स्कोर को चुनौतीपूर्ण बनाने की भरपूर कोशिश की। यंग को अश्विन ने अपनी गेंद पर कैच कर पवेलियन का रास्ता दिखाया। दूसरी पारी में जडेजा अब तक सर्वाधिक चार विकेट चटका चुके थे जबकि अश्विन ने तीन विकेट झटके। आकाशदी और वाशिंगटन सुंदर को एक-एक विकेट मिला था।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड पहली पारी : 235 रन

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल बो पटेल	30	52	4	0
रोहित का लेथम बो हेनरी	18	18	3	0
गिल का मिशेल बो पटेल	90	146	7	1
मोहम्मद सिराज पगबाधा बो पटेल	00	1	0	0
विराट कोहली रन आउट	04	6	1	0
पंत पगबाधा बो सोढ़ी	60	59	8	2
जडेजा का मिशेल बो फिलिप्स	14	25	0	0
सरफराज का ब्लंडेल बो पटेल	00	4	0	0
सुंदर नाबाद	38	36	4	2
अश्विन का मिशेल बो पटेल	06	13	1	0
आकाश दीप रन आउट	00	0	0	0

अतिरिक्त: 03 रन

कुल: 59.4 ओवर में 263 रन पर ऑलआउट

विकेट पतन: 1-25, 2-78, 3-78, 4-84, 5- 180, 6-203, 7-204, 8-227, 9-247, 10-263

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
मैट हेनरी	8	1	26	1
विलियम ओ'रूर्के	2	1	5	0
अजाज पटेल	21.4	3	103	5
ग्लेन फिलिप्स	20	0	84	1
रचिन रवीन्द्र	1	0	8	0
ईश सोढ़ी	7	0	36	1

न्यूजीलैंड दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
टॉम लैथम बो आकाश	01	4	0	0
कॉनवे का गिल बो सुंदर	22	47	2	0
विल यंग का एंड बो अश्विन	51	100	2	1
रचिन स्टंप पंत बो अश्विन	04	3	1	0
मिशेल का अश्विन बो जडेजा	21	44	1	1
टॉम ब्लंडेल बो जडेजा	04	6	1	0
ग्लेन फिलिप्स बो अश्विन	26	14	1	3
ईश सोढ़ी का कोहली बो जडेजा	08	14	1	0
मैट हैनरी बो जडेजा	10	16	0	1
अजाज पटेल नाबाद	07	14	0	1

अतिरिक्त : 17 रन

कुल: 43.3 ओवर में नौ विकेट पर 171 रन

विकेट पतन: 1-2, 2-39, 3-44, 4-94, 5- 100, 6-131, 7-148, 8-150, 9-171

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
आकाश दीप	5	0	10	1
वॉशिंगटन सुंदर	10	0	30	1
रविचंद्रन अश्विन	16	0	63	3
रवीन्द्र जडेजा	12.3	2	52	4

पटना पाइरेट्स की तीसरी जीत, यूपी योद्धाज को 42-37 से हराया

हैदराबाद, वार्ता: तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने पीछे से आकर यूपी योद्धाज को हराते हुए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन में तीसरी जीत हासिल की। गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में शनिवार को खेले गए सीजन के 29वें मैच में पटना ने यूपी योद्धाज को 42-37 से हराया। पटना के लिए देवांक ने सुपर 10 लगाया जबकि इयान ने 9 अंक बटोरे। यूपी के लिए गगन गौड़ा ने 9 जबकि भरत ने 6 अंक बटोरे। पहले हाफ में दोनों टीमें एक-एक बार आलआउट हुईं। पटना ने 23-19 के स्कोर के साथ पाला बदला लेकिन छह मिनट के भीतर आलआउट होने के कारण एक समय तीन बार की चैंपियन 3-10 से पीछे थी और फिर 3-12 से पीछे हो गई। इसके बाद पटना की टीम ने शानदार वापसी करते हुए पहले नुकसान की भरपाई की और फिर यूपी को पहली बार आलआउट करने के बाद लीड भी ले ली। डिफेंस में पटना ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 3 के मुकाबले 6 अंक लिए। रेड मे हालांकि इन दोनों टीमों के बीच सिर्फ एक अंक का अंतर रहा। पहले हाफ में पटना की ओर से देवांक और अयान ने चमक दिखाई और अपनी टीम को लीड दिलाई जबकि यूपी के लिए गगन गौड़ा और अनुभवी सुरेंदर गिल ने प्रशंसा बटोरी।

मालविका और आयुष हाइलो ओपन के सेमीफाइनल में

सारब्रुकन (जर्मनी) : भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ और आयुष शेट्टी ने हाइलो ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए महिला और पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यहां बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ ने महिला एकल क्वार्टर फाइनल मैच में चौथी वरीयता प्राप्त वियतनाम की गुयेन थ्यू लिन्ह को 21-15, 21-17 से हराया। 23 वर्षीय मालविका बंसोड़ ने पहले गेम की शुरुआत में शानदार खेल का मुजाहिरा किया और 10-2 बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद बैडमिंटन रैंकिंग में मालविका से तीन पायदान ऊपर विश्व नंबर 31 पर काबिज गुयेन थ्यू लिन्ह ने बढ़त को 18-15 से कम कर दिया। हालांकि, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने इसके बाद तीन लगातार अंक हासिल करते हुए पहला गेम 21-15 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय शटलर ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। दूसरे गेम में मालविका 9-3 से लीड कर रही थीं लेकिन गुयेन थ्यू लिन्ह ने इसके बाद कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले और स्कोर 17-17 से बराबरी पर ला दिया। भारतीय शटलर ने अंतिम चार अंक हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सार संक्षेप

साय ने बस्तर ओलंपिक के लोगो व मस्कट का किया अनावरण

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर ओलंपिक-2024 के लोगो (प्रतीक चिन्ह) और मस्कट (शुभंकर) का अनावरण किया। साय ने इस अवसर पर कहा कि बस्तर ओलंपिक के लोगो में बस्तर की संस्कृति और परंपराओं की झलक दिख रही है। पहाड़ी मैना और वन भैंसा बस्तर ओलंपिक के मस्कट बने जो कि वन्य जीव संरक्षण को समर्पित है। साय ने सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री द्वय अरूण साव और विजय शर्मा तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा भी बैठक में उपस्थित थे।

दूसरे दिन भी हादसा, पैराग्लाइडिंग करते गिरा विदेशी पायलट, घायल

कुल्लू : हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में मनाली की पतालसू पीक में पैराग्लाइडिंग करता विदेशी पायलट संतुलन बिगड़ने से गिर गया। इस हादसे में पर्यटक घायल हो गया है। पैराग्लाडिंग करते समय हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पर्यटन स्थल मनाली के पतालसू में विदेशी पैराग्लाइडर पायलट संतुलन बिगड़ने से गिर गया। हुए हादसे में सर्बिया का पायलट मिरोस्लाव प्रोडनोविक घायल हो गया है। पुलिस और अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण संबद्ध खेल संस्थान की संयुक्त टीम ने रेस्क्यू कर उसे मनाली पहुंचाया। मनाली नागरिक अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू के लिए रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार बीड़ बिलिग की पैराग्लाइडिग साइट से उड़ान भरकर पायलट मनाली के रोहतांग से सटे पतालसू पीक इलाके में पहुंच गया। यहां पर संतुलन बिगड़ने के कारण वह गिर गया और घायल हो गया। उसके पांव में फ्रैक्चर हुआ है। पायलट ने घायल होने की सूचना स्थानीय प्रशासन को दी। इसके बाद संयुक्त रेस्क्यू टीम मौके के लिए भेजी गई। टीम ने पायलट को खोजकर शनिवार सुबह करीब चार बजे उसे मनाली पहुंचाया। रोहतांग इलाके में तीन दिन के भीतर यह दूसरा हादसा हुआ है।

यूएसपीएल ने सीजन 3 के लिए कमेंटरी पैनल की घोषणा

फ्लोरिडा : आगामी 22 नवंबर से एक दिसंबर तक फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में शुरू हो रही यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) ने सीजन 3 के लिए एक स्टार-स्टडेड कमेंट्री पैनल की घोषणा की। पूर्व खिलाड़ी मोनाली पटेल, पॉल निक्सन, कायनात वकार, मैरी केली और जॉन केंट की कमेंट्री एक साथ सुनना हमेशा ही एक अलग सा अनुभव प्रतीत कराता है। इसके अलावा शानदार व्यक्तित्व और क्रिकेट की गहरी समझ के लिए प्रसिद्ध ग्रेस बोलिजर भी पूर्व क्रिकेटरों के साथ कमेंट्री बॉक्स साझा करते हुए नजर आएंगी। यूएसपीएल के संस्थापक और अध्यक्ष जयदीप सिह ने कहा कि हम सीजन 3 के लिए इतनी विविध और अनुभवी कमेंटरी टीम पाकर बहुत रोमांचित हैं। खेल के प्रति उनका संयुक्त ज्ञान और समझ दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए एक शानदार अनुभव होगा। यूएसपीएल अपने हर सीज़न के साथ ही और भी बड़ा और बेहतर होता जा रहा है।

एफसी गोवा के सामने बेंगलुरु एफसी की कठिन चुनौती

● मडगांव (गोवा),

वर्षों से एक-दूसरे की प्रबल प्रतिद्वंदी रही बेंगलुरु एफसी और एफसी गोवा इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में शाम साढ़े सात बजे एक बार फिर से आमने-सामने होंगी।

ये दोनों टीमें अतीत में आईएसएल चैंपियन रही हैं। बेंगलुरु एफसी ने 2018-19 में खिताब जीता था और गौर्स ने अगले सीजन में लीग शील्ड जीती थी। अपने गढ़ में खेलना आमतौर पर टीमों के लिए सकारात्मक परिणाम देने वाला माना जाता है, लेकिन हाल के दिनों में एफसी गोवा के लिए ऐसा नहीं हुआ है। वे अब घरेलू मैदान पर चार मैचों में बिना जीत के हार गए हैं। एक कारक जो गौर्स को उनके फॉर्म में बदलाव लाने में मदद कर सकता है, वह है बेंगलुरु एफसी के खिलाफ मुख्य कोच मनोलो मार्केज का सराहनीय रिकॉर्ड। कोच की टीमों ने ब्लूज के खिलाफ आठ मुकाबलों में एक भी गेम नहीं हारा है। ईस्ट बंगाल एफसी के साथ बेंगलुरु एफसी उन दो टीमों में से एक है, जिनका उसने आईएसएल में कम से कम तीन बार सामना किया है, लेकिन कभी नहीं हारा। छह मैचों में

16 अंकों के साथ, बेंगलुरु एफसी की आईएसएल सीजन में यह दूसरी सबसे अच्छी शुरुआत है - केवल 2018-19 अभियान के बाद जब वे तालिका में शीर्ष पर रहे थे। वे इस बार भी उसी लय में दिख रहे हैं, पांच मुकाबले जीते हैं, एक बार ड्रॉ खेला है, 11 गोल किए हैं और अब तक केवल एक बार हार का स्वाद चखा है। आईएसएल में दोनों टीमें 15 बार एक-दूसरे से भिड़ चुकी हैं। बेंगलुरु एफसी और एफसी गोवा ने सात-सात और चार-चार मुकाबले जीते हैं। चार मुकाबलों का नतीजा ड्रॉ रहा है।

बीड़-बिलिंग में पैराग्लाइडिंग अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता शुरु

बेड़-बिलिंग: हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा की बेड बिलिंग में पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप का शनिवार को शुभारंभ हुआ। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष आर.एस. बाली और मुख्य संसदीय सचिव पशुपालन, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास किशोरी लाल ने बिलिंग से हरी झंडी दिखाकर इस प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इसके साथ ही आठ दिवसीय प्रतियोगिता की शुरुआत हो गयी जिसमें 26 देशों के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर बाली ने कहा कि बीड़ बिलिंग दुनिया की सर्वोत्तम, विचित्र और लंबी साइट होने के कारण दुनिया भर के पैराग्लाइडरों का पसंदिदा स्थान है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अगुवाई में पैराग्लाइडिंग का विश्वस्तरीय आयोजन होना देश तथा प्रदेश के लिये गौरव की बात है और इसके आयोजन से दुनिया में हिमाचल की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की सकारात्मक सोच से प्रदेश को अलग पहचान दिलाकर हिमाचल को निरंतर आगे बढ़ाने के लिये महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

वनडे सीरीज में शाकिब और लिटन बांग्लादेश टीम से बाहर

● ढाका,

अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिये बांग्लादेश की टीम में शाकिब अल हसन और लिटन दास को जगह नहीं मिली है।

नजमुल हुसैन शान्तो 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करते रहेंगे, जबकि मेहदी हसन मिराज उप कप्तान होंगे। दिलचस्प बात यह है कि अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के स्वेच्छा से श्रृंखला से हटने के बाद उनके नाम पर विचार नहीं किया गया है। इसके अलावा सूची से एक और बड़ा नाम लिटन दास का नहीं है। लिटन बुखार से उबर रहे हैं। इसके अलावा कंधे की चोट से जूझ रहे दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हसन महमूद को टीम में शामिल नहीं किया गया है।अनामुल हक और तैजुल इस्लाम को भी टीम में जगह नहीं मिली है। बांग्लादेश ने 22 वर्षीय अनकैप्ड पेसर नाहिद राणा को शामिल किया है, जिन्होंने अब तक पांच टेस्ट खेले हैं। सलामी बल्लेबाज जाकिर

हसन और बाएं हाथ के स्पिनर नसुम अहमद को भी वापस बुला लिया है। जाकिर, जिन्होंने पिछले साल सितंबर में अपना वनडे डेब्यू किया था, ने प्रारूप में सिर्फ एक मैच खेला है और नसुम ने आखिरी बार नवंबर 2023 में एकदिवसीय मैच खेला था। बांग्लादेश की वनडे टीमः नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), सौम्य सरकार, तनजीद हसन, जाकिर हसन, मुश्फिकुर रहीम, महमुदुल्लाह रियाद, तौहीद हृदोय, जेकर अली, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम , नाहिद राणा।

आईपीएल में चेन्नई से खेल सकते हैं अश्विन

2009 में इसी टीम से डेब्यू किया था, पंत के लिए पंजाब-चेन्नई में लड़ाई

● मुंबई,

आईपीएल-2025 मेगा ऑक्शन में रविचंद्रन अश्विन को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) खरीद सकती है। उन्हें हाल ही में जारी हुई रिटेंशन लिस्ट में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने रिलीज कर दिया था।

2015 तक चेन्नई से खेलने वाले ऑफ स्पिनर अश्विन की घर वापसी हो सकती है। टीम ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीश पथिराना और एम एस धौनी (अनकैपड) इन सभी को 65 करोड़ में रिटेन किया है। टीम के पास पर्स में 55 करोड़ रुपये बचे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक चेन्नई की विशलिस्ट में ऋषभ पंत और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन शामिल है। 38 वर्षीय अश्विन ने फ्रेंचाइजी के लिए 6 साल आईपीएल खेला था। उन्होंने 2009 में चेन्नई के लिए डेब्यू किया था। जिसके बाद वे राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स से खेल चुके हैं। करीब 2 महीने पहले अश्विन ने चेन्नई से

दोबारा खेलने की इच्छा जताई थी। 2019 में अश्विन ने पंजाब किंग्स की कप्तानी की थी। वहीं इंडियन विकेटकीपर ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स ने रिटेन नहीं किया है। ऐसे में कई टीमें पंत के पीछे जा सकती हैं। क्योंकि चेन्नई के पास 55 करोड़ बाकी है और उन्हें टीम में और भी प्लेयर्स शामिल करने है ऐसे में वे 25 करोड़ से ऊपर की बोली नहीं लगा सकते। इसके अलावा पंजाब, लखनऊ और बेंगलुरु ऋषभ को अपनी टीम में शामिल कर सकते हैं। ऋषभ पंत ने 2021-2024 तक दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की थी। कीवी ओपनर के लिए चेन्नई राइट-टु-मैच कार्ड इस्तेमाल कर सकती है। 2023 में कॉन्वे ने चेन्नई के लिए 16 मैच में 52 की औसत से 672 रन बनाए थे।

राइट टु मैच यानी आरटीएम कार्ड को टीमें ऑक्शन में इस्तेमाल कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस ने रिटेन नहीं किया। उनका नाम ऑक्शन में आया और उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 10 करोड़ रुपये में खरीद लिया। अब अगर मुंबई चाहे तो आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर रोहित को 10 करोड़ रुपये में अपने साथ ही रख सकती है। आरटीएम कार्ड सभी टीमों के पास रहेगा।

कर्नाटक और मध्यप्रदेश के खिलाफ मैचों के लिए बंगाल टीम घोषित

कोलकाता, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के खिलाफ आगामी दो रणजी ट्रॉफी मैचों के लिए बंगाल ने अनुस्तुप मजूमदार के नेतृत्व में शनिवार को टीम की घोषणा कर दी।

लक्ष्मी रतन शुक्ला की कोचिंग वाली टीम बुधवार को बेंगलुरु में कर्नाटक से भिड़ेगी, इसके बाद 13 नवंबर को इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच खेलेगी। मौजूदा रणजी ट्रॉफी प्रतियोगिता में तीन मैचों के बाद बंगाल की झोली में पांच अंक हैं और मैच जीत कर अपना दावा मजबूत करने की कोशिश करेगी। बंगाल टीमः अनुस्तुप मजूमदार, रिद्धिमान साहा, सुदीप चटर्जी, सुदीप सीआर घरामी, शाहबाज अहमद, रितिक चटर्जी, एविलिन घोष, शुवम डे, शाकिर हबीब गांधी, प्रदीप्ता प्रमाणिक, आमिर गनी, इशान पोरेल, सूरज सिंधु जयसवाल, एमडी कैफ, रोहित कुमार ,ऋषव विवेक।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)